श्रावण कृष्ण पक्ष -14, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 44 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
03 अगस्त 2024 शनिवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

ड्रॉपआउट समस्या पर मप्र समेत पांच राज्यों के प्रतिनिधियों का मंथन

स्कूल क्यों छोड़ रहे बच्चे, सीएम ने कहा-शिक्षा हर बच्चे का अधिकार

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने आज भोपाल के आनंद नगर में टीआईटी एक्सीलेंस कालेज में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित संगोष्ठी में हिस्सा लिया।

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूलों में बच्चों के ड्रापआउट की समस्या पर आज भोपाल में पांच राज्यों के प्रतिनिधियों का मंथन शुरू हुआ। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्कूलों से बच्चों के ड्रॉप आउट की प्रवृत्ति को कम करने के संबंध में क्षेत्रीय स्तर के विचार विमर्श और समीक्षा का दौर जारी है। विषय विशेषज्ञ और शिक्षा के क्षेत्र के विद्वानों ने शाला त्यागी बच्चों की स्थिति पर चर्चा कर अनेक सुझाव दिए हैं। वहीं इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि बाल आयोग द्वारा जिस विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई है वह काफी महत्पूर्ण है। मप्र सरकार आयोग के प्रयासों में पूर्ण सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी का अधिकार है शिक्षा ग्रहण करना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परीक्षाओं के पहले भी विद्यार्थियों से संवाद करते हैं। उन्होंने नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा के महत्व में वृद्धि की है। अनेक सुविधाएं विद्यार्थियों को उपलब्ध हो रही हैं। इस संगोष्ठी में पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल समेत अन्य संस्थाओं की भागीदारी भी रही। कई जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंका कानूनगो ने अतिथियों को पौधे भेंट किए। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय आयोग की सदस्य सचिव रूपाली बैनर्जी भी आई हैं। इस कार्यक्रम में प्रदेश में स्कूलों से बच्चों के ड्रॉप आउट की प्रवृत्ति को कम करने के संबंध में क्षेत्रीय स्तर की कार्यशाला में विचार विमर्श और समीक्षा की जा रही है।

सीएम देवास में उद्यमियों से मिलेंगे

मुख्यमंत्री यादव 6 अगस्त को देवास में उद्यमी सम्मेलन में शिरकत करेंगे। एमएसएमई विभाग और लघु उद्योग भारती की साझा मेजबानी में यह आयोजन हो रहा है। इसमें आरएसएस के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल मुख्य वक्ता होंगे। इस अवसर पर महिलाओं और युवाओं पर केंद्रित तीन दिवसीय स्वयं सिद्धा इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर भी होगा। गौरतलब है कि सरकार इस समय निवेश को लेकर हरसंभव प्रयास में जुटी है।

मोदी ने कहा

कृषि विविधता वैश्विक खाद्य सुरक्षा की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि कृषि क्षेत्र में भारत की विविधता इस देश को विश्व की खाद्य सुरक्षा के लिए आशा की किरण बनाती है। कृषि अर्थशास्त्रियों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन'' का उद्घाटन कर रहे मोदी ने कहा कि 65 साल पहले जब भारत ने मैसूर में इस सम्मेलन का आयोजन किया था उस समय भारत की खाद्य सुरक्षा दुनिया की ड्क्षचता का विषय था , आज भारत दुनिया की खाद्य सुरक्षा की ड्क्षचता कर रहा है।भारत आज विश्व में दूध दाल और मसाले का सबसे बड़ा उत्पादक है। फल सब्जियां मछली आदि के उत्पादन में भी भारत का बड़ा योगदान है। खास बात यह है कि सम्मेलन भारत में 65 साल बाद हुआ है।

रेप पीड़िता को धमकी, सपा नेता के घर चला बुल्डोजर

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या के भदरसा में नाबालिग लड़की के साथ रेप के मुख्य आरोपी समाजवादी पार्टी के नेता मोईद खान के घर पर बुलडोजर चल गया है। राजस्व विभाग ने आरोपी की संपत्ति की पैमाइश की थी। खाद्य सुरक्षा उपायुक्त ने बेकरी सील की और बेकरी का लाइसेंस भी रद्द कर दिया गया है। वहीं पीड़ित परिजन को धमकाने के आरोप में भी एफआईआर दर्ज कराई गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने के बाद पीड़ित परिजन के साथ मुलाकात भी की थी। इस मामले में आरोप है सपा के नेता नाबालिग रेप पीड़िता से सुलह नहीं करने पर धमकी देने के लिए अस्पताल गए थे। सपा नेता और नगर पंचायत भदरसा के चेयरमैन मोहम्मद राशिद, सपा नेता जय सिंह राणा और एक अन्य ने रात अस्पताल जाकर धमकी दी। मामले में सुलह कर लेने को कहा। पीड़िता फिलहाल जिला महिला अस्पताल भर्ती है।

लाशों के ढेर और नाउम्मीदी के बीच जब मिलती है जिंदगी

वायनाड, एजेंसी।

केरल के वायनाड में आए विनाशकारी भूस्खलन में अभी तक तीन सौ से ज्यादा मौत हो चुकी हैं, करीब 134 लाशें तो टुकडों में मिली हैं। यह तलाश अभी जारी है क्योंकि बड़ी संख्या में लोग अभी लापता हैं। इस भयानक आपदा के बीच जब कोई जिंदा मिलता है तो बचाव दल और तमाम पीडितों के बीच उम्मीद की नयी किरण फूट पड़ती हैं। कुछ इसी तरह हुआ, जब वायनाड में केरल वन अधिकारियों द्वारा 8 घंटे के अथक अभियान के बाद एक दूरदराज के आदिवासी बस्ती से 6 बच्चों को रेस्क्यू किया गया। इस पर सीएम पिनाराई विजयन ने कहा, वन अधिकारियों का ये जज्बा हमें याद दिलाता है कि संकट की घोर घड़ी में भी केरल की जीवटता चमकती रहती है।

दरअसल, कलपेट्टा रेंज के वन अधिकारी के. हशीस के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम ने आदिवासी परिवार को बचाने के लिए जंगल के अंदर एक खतरनाक रास्ते को पार करते हुए इस रेस्क्यू अभियान को अंजाम दिया। बच्चों में आदिवासी समुदाय के एक से चार साल की उम्र के चार बच्चे शामिल हैं। यह परिवार एक पहाड़ी की चोटी पर एक गुफा में फंसा हुआ था, हशीस ने कहा कि मां और चार साल के बच्चे को वन क्षेत्र के पास भटकते हुए देखा और पूछताछ करने पर पता चला कि उसके तीन अन्य बच्चे और उनके पिता बिना भोजन के एक गुफा में फंसे हुए हैं. हशीस ने कहा, बच्चे थके हुए थे, और हम अपने साथ खाने-पीने का जो भी सामान ले गए थे उन्हें खिलाया।

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में आज भी लगातार तीसरे दिन तेज बारिश का दौर जारी है। अलबत्ता भोपाल में तेज बारिश का दौर कुछ थमा है रिमझिम पानी गिर रहा है। वहीं कलियासोत नदी किनारे से समरधा टोला गांव 20 परिवारों का रेस्क्यू करना पड़ा इन्हें स्कूल में शिफ्ट किया गया। तडके तक यह आपरेशन चला। जबकि सूखी सेवनिया के नाले में 14 साल का लड़का बह गया। उधर नरसिंहपुर के गाडरवारा में देर रात तेज बारिश से कच्चा मकान ढह गया। परिवार के 8 लोग मलबे में दब गए। दो की मौत हो गई । इंदौर में सुबह से बूंदाबांदी हो रही है। विदिशा और अशोकनगर को जोड़ने वाले बाह्य नदी के पुल पर दो फीट ऊपर से पानी बह रहा है। रायसेन में प्राकृतिक झरने फूट पड़े हैं।

आज 12 जिले में अलर्ट

सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी, अनूपपुर, श्योपुर और शिवपुरी में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट है। वहीं, भोपाल, जबलपुर समेत 23 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

ईरान की धमकी, इस बार इजरायल के बड़े शहरों पर होगा जोरदार हमला

तेहरान, एजेंसी।

हमास के प्रमुख इस्माइल हानिया की मौत से तिलमिलाए ईरान ने इस बार इजरायल के भीतरी क्षेत्र को टार्गेट करने की ठानी है। सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई द्वारा प्रबंधित अखबार काहान के लेख में कहा गया है कि पिछली बार ऑपरेशन में ईरान ने सिर्फ कुछ ठिकानों को निशाना बनाया गया था, आगामी अभियान इजरायल के अंदरूनी इलाकों जैसे तेल अवीव और हाइफा, रणनीतिक केंद्रों और हनिया की हत्या में शामिल इजरायली अधिकारियों के घरों को निशाना बनाएगा। इस लेख में कहा गया है कि इस बार का हमला बड़ा, खतरनाक होगा, जिसे इंटरसेप्ट करना भी मुश्किल होगा। पिछले हफ्ते मिडिल ईस्ट में क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बाद पेंटागन ने भी ऐलान किया कि अमेरिका मध्य पूर्व में एक अतिरिक्त लड़ाकू स्क्वाड्रन तैनात कर रहा है।

क्रीमीलेयर प्रावधान का होगा विरोध केंद्रीय मंत्री अठावले मैदान संभालेंगे

मुंबई। एससी-एसटी आरक्षण से क्रीमीलेयर को लेकर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने साफ कहा है कि एससी-एसटी वर्ग की जातियों का उप वर्गीकरण किया जाना चाहिए। इससे समूह में पिछड़ी जातियों को लाभ मिलेगा। लेकिन SC-ST आरक्षण में क्रीमी लेयर का प्रावधान न लाया जाए। अगर ऐसा किया गया तो हमारी पार्टी इसका विरोध करेगी। रिपब्लिकन पार्टी के प्रमुख और मंत्री अठावले ने ओबीसी और सामान्य श्रेणी के सदस्यों के लिए भी समान उप-वर्गीकरण की मांग की। अठावले ने कहा कि एससी-एसटी के लिए आरक्षण जाति पर आधारित है। एससी और एसटी के आरक्षण में क्रीमी लेयर के प्रावधान लागू करने के किसी भी कदम का आरपीआई (ए) कड़ा विरोध करेगी।

मेट्रो एंकर

ओलंपिक से लौटे तो इंतजार करता मिला नोटिस

मनुभाकर के कोच का घर तोड़ने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी।

ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और सरबजोत सिंह के कोच समरेश जंग कल जब पेरिस ओलंपिक से वापस लौटे तो उनका इंतजार घर तोडे जाने का नोटिस करता मिला। ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता जंग का घर सिविल लाइंस क्षेत्र के खैबर पास इलाके में है। उन्हें इलाके के अन्य निवासियों के साथ नोटिस मिला है। मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग की सब्सिडियरी लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस ने निवासियों को कहा है कि जिस क्षेत्र और भूमि पर इलाके का विकास किया गया है वह रक्षा मंत्रालय के स्वामित्व में है। एलएनडीओ ने कहा है कि खैबर पास इलाके में बने घर और अन्य संरचनाएं अवैध हैं। मीडिया से बात करते हुए समरेश जंग ने कहा, यह उनकी योजना में है और मुझे इसके बारे में पता भी नहीं है। अब पूरी कॉलोनी को अवैध घोषित कर दिया गया है, क्षेत्र के निवासियों को कल रात ही डिमोलिशन ड्राइव के बारे में सूचित किया गया था, और अब उनके पास पूरी कॉलोनी खाली करने के लिए केवल दो दिन हैं।

जंग का परिवार 1950 के दशक से यानि लगभग 75 वर्षों से यहां रह रहा है। वे अदालत गए लेकिन हमारी याचिका खारिज हो गई। केवल दो दिनों में घर खाली करने की कठिनाइयों के बारे में विस्तार से बताते हुए जंग ने कहा कि इतने कम समय में सब कुछ करना असंभव है। उन्होंने कहा, 'आप डिमोलिशन ड्राइव चलाना चाहते हैं, लेकिन इसे उचित तरीके से चलाया जाना चाहिए और लोगों को समय दिया जाना चाहिए। कोई व्यक्ति सिर्फ एक दिन में अपना घर कैसे खाली कर सकता है?'

उल्लेखनीय है कि समरेश जंग ने 2006 में मेलबर्न राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और पांच स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता था। खैबरपास इलाके में डिमोलिशन पिछले महीने शुरू हुआ था, और साथ-साथ कई कानूनी कार्यवाही भी जारी है. निवासियों को 1 जुलाई को एक नोटिस दिया गया था, जिसमें उन्हें 4 जुलाई तक इलाके को खाली करने के लिए कहा गया था।हालांकि, निवासियों ने नोटिस को चुनौती दी, जिससे डिमोलिशन ड्राइव में कुछ दिनों की देरी हुई. 9 जुलाई को अंतिम सुनवाई में, अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि निवासी याचिकाकर्ता इस बात का कोई सबूत देने में विफल रहे कि जमीन उनकी है और डिमोलिशन की कार्रवाई को रोकने से इनकार कर दिया।

मेडल से हो सकती है दिन की शुरुआत

पेरिस, एजेंसी।

पेरिस ओलंपिक को एक हफ्ते बीत चुके हैं. अब खेलों के इस महाकुंभ और एक सप्ताह का समय रह गया है. 7 दिनों के खेल बाद भारत कुल 3 मेडल जीत सका है और तीनों ही ब्रॉन्ज हैं. यहां तक की भारत को ये सभी मेडल शूटिंग के खेल में मिले हैं. देश फिलहाल टैली में 47वें नंबर पर है. 7वें दिन हमारे एथलीट्स के पास दो मेडल जीतने का मौका था, लेकिन वो इसे हासिल नहीं कर सके। आज 8वें दिन की बारी है, जहां मेडल के लिए एक बार फिर नजरें मनु भाकर पर होंगी. उनके अलावा दीपिका कुमारी से भी मेडल की उम्मीद है। 8वें दिन भारत 6 खेलों में हिस्सा लेगा. इस दौरान कुल 11 एथलीट्स देश का प्रतिनिधित्व करेंगे. भारत के लिए दिन की शुरुआत मेडल से हो सकती है. दोपहर एक बजे मनु भाकर महिला शूटिंग 25 मीटर पिस्टल इवेंट के फाइनल में हिस्सा लेने वाली हैं. इस ओलंपिक में वो पहले ही दो मेडल जीत चुकी हैं. ऐसे में उनका आत्मविश्वास बहुत बढ़ा होगा. इसलिए उनसे तीसरे मेडल की भी उम्मीद की जा रही है। *पेज 7 भी देखें।*

बारिश से बदहाल शहर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में गुरुवार से जारी लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया हैं। हालांकि आज सुबह से बारिश की रफ्तार थमी है लेकिन शहर के कई नाले और नालियां उफान पर हैं तो सड़कों पर जलभराव है। इसके चलते शुक्रवार को भी रात तक यातायात भी प्रभावित रहा। आज छुट्टी का दिन होने से यातायात का दबाव अपेक्षाकृत कम है ।

निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति के चलते कई घरों में पानी घुस गया। लिहाजा, नगर निगम की टीमें देर रात तक इलाकों में राहत कार्य में जुटी रहीं। सुबह से भी यह सिलसिला जारी है। करोंद, कोलार, गांधी नगर, बैरागढ़, हर्षवर्धन नगर, नेहरू नगर, जहांगीराबाद सहित 20 से ज्यादा इलाकों में जल भराव की स्थिति है। डीआइजी बंगला, सिंधी कालोनी, भोपाल टाकीज, अल्पना तिराहा और नादरा बस स्टैंड इसरानी मार्केट तिराहे पर दो से तीन फीट पानी भर गया जिससे ट्रैफिक जाम हो गया। नये भोपाल में भी शाहपुरा व मिसरोद रोड की बस्तियों में यह हालात रहे। निचली बस्तियों में घरों में एक से दो फीट पानी घरों में भर गया। तेज बारिश से निशातपुरा, छोला, पुल पातरा, रचना नगर और हबीबगंज अंडरब्रिज पानी से लबालब हो गए। जिससे अंडरब्रिज से वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई। इसके अलावा इंदौर भोपाल मार्ग पर भी पानी भर गया था। वहीं बैरागढ़ कलां, भौंरी सहित आसपास के गांव में नालियों पर कब्जा होने से घुटनों तक पानी भर गया।

सप्ताह में दो बार चलेगी

अब भोपाल से रीवा तक नई सुपरफास्ट, सीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब भोपाल से नर्मदापुरम, इटारसी, नरसिंहपुर, या जबलपुर, रीवा, सतना तक जाने वाले यात्रियों के लिए नयी रेल सुविधा शुरू हो गई है। बीती देर रात प्रदेश सरकार की विशेष मांग पर रेलवे की ओर से भोपाल-रीवा सुपरफास्ट द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस का संचालन शुरू हुआ। भोपाल स्टेशन से सीएम डॉ. मोहन यादव ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रदेशवासियों के हितों को ध्यान रखते हुए इस नई ट्रेन की सुविधा दी है। नई ट्रेन से रवाना हो रहे यात्री प्रसन्न नजर आए। उन्होंने भी मुख्यमंत्री और रेलवे को धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में भोपाल से रीवा के मध्य वंदे भारत रीवा-रानी कमलापति और रेवांचल एक्सप्रेस संचालित हो रही हैं। रेवांचल एक्सप्रेस में कई महीनों तक वेटिंग रहती है, जिससे यात्रियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

वहीं वंदे भारत रीवा-रानी कमलापति का किराया अधिक है और साथ ही समय का सही तालमेल भी नहीं है। इस वजह से जबलपुर, रीवा, सतना सहित मैहर जाने वाले यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नई सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेल सेवा भोपाल और रीवा के बीच यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू गई है। यह ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार और रविवार को भोपाल से तथा शनिवार और सोमवार को रीवा से चलेगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री विश्वास सारंग, सांसद भोपाल आलोक शर्मा, विधायक हुजूर रामेश्वर शर्मा, विधायक बैरसिया विष्णु खत्री, विधायक भोपाल (दक्षिण/पश्चिम) भगवानदास सबनानी और महापौर मालती राय सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ट्रेन का शेड्यूल: गाड़ी संख्या 22145 भोपाल-रीवा सुपरफास्ट द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन भोपाल से शुक्रवार और रविवार को रात्रि 23.00 बजे प्रस्थान कर रानी कमलापति स्टेशन 23.13 बजे, नर्मदापुरम अगले दिन मध्य रात्रि 00.13 बजे, इटारसी 00.55 बजे, पिपरिया 02.02 बजे, गाडरवारा 02.38 बजे, नरसिंहपुर 03.12 बजे, जबलपुर 04.45 बजे, कटनी 06-05 बजे, मैहर 06.53 बजे, सतना 07.40 बजे और सुबह 09.15 बजे रीवा पहुंचेगी। इसी तरह यह ट्रेन रीवा से शनिवार और सोमवार की रात्रि 11 बजे चलेगी तथा प्रातः 9.15 बजे भोपाल पहुंचेगी।

दोबारा वाहन फिटनेस सेंटर आरटीओ परिसर में शिफ्ट करने की मांग

फिटनेस के फेर में थक रहे हैं वाहन मालिक, चक्कर कटा रही है एजेंसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

परिवहन विभाग ने वाहनों की फिटनेस व्यवस्था निजी हाथों में देकर इसमें सुधार की उम्मीद देखी है लेकिन आटोमेटेड फिटनेस ट्रैक पर वाहनों की फिटनेस कराना वाहन मालिकों को रास नहीं आ रहा है। वहीं व्यावसायिक वाहन मालिकों से निजी एजेंसी द्वारा निरीक्षण शुल्क दो बार वसूला जाने की शिकायते भी हैं।

दरअसल राजधानी में दो सप्ताह से यह नई व्यवस्था चल रही है। मगर इससे नाराज वाहन मालिक फिटनेस ट्रैक को बंद करने व आरटीओ कोकता में बने फिटनेस ट्रैक की पुरानी व्यवस्था फिर से शुरू करने की मांग करने लगे हैं। आटोमेटेड फिटनेस ट्रैक कान्हासैया में बना है। नए फिटनेस ट्रैक पर वाहन मालिकों से लूट की कई शिकायतें हैं। मसलन, जैसे ही वाहन मालिक वाहनों की फिटनेस कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के बाद फिटनेस ट्रैक पर जाते हैं तो उन्हें एजेंसी को निर्धारित निरीक्षण शुल्क देना होता है। इसके बाद ही एजेंसी के कर्मचारी गाड़ी चेक करते हैं।

निरीक्षण शुल्क 18 % जीएसटी समेत

400 रुपये – मोटर साइकिल।
600 रुपये – तीन पहिया व हल्का चार पहिया वाहन।
1000 रुपये – मध्यम व भारी मोटर वाहन।

एजेंसी द्वारा निरीक्षण शुल्क लिया जाता है। ऐसे में वाहनों में हार्न काम नहीं करता हुआ मिलता है या फिर रेडियम पट्टी नहीं लगी है तो वाहनों को वापस भेज दिया जाता है। इन खामियां पूरी करने के बाद जैसे ही वाहन मालिक फिर से आते हैं, तो उनसे फिर से निरीक्षण शुल्क लिया जा रहा है। हालांकि प्रभाी आरटीओ का कहना है कि यह सुविधा लोगों के लिए ही शुरू की गई है। हालांकि नई व्यवस्था में 100 प्रतिशत सुचारु चलने में थोड़ा समय लगता है।

बताया जाता है कि अभी यदि कोई लोडिंग वाहन मालिक फिटनेस कराने आता है तो 718 रुपये वाहन का निरीक्षण शुल्क जमा करना होता है। मगर निरीक्षण टीम वाहन में हार्न या अन्य कमियां बता देती है। जब वह वाहन यह कमी दुरुस्त कराकर पहुंचता है तो फिर से निरीक्षण शुल्क देना पड़ता है। इसी तरह यह निजी एजेंसी 10 मिनट में फिटनेस का दावा तो करती है।लेकिन कई शिकायते हैं कि इसके लिये उन्हें पूरे दिन या दो दिन इंतजार करना पड़ता है।

रेलवे स्टेशन का संकेत बोर्ड लगाया मेन रोड पर

हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर पहली बार बनी रेलवे सलाहकार समिति जिसमें यहां के 5 गणमान्य नागरिकों विधायक प्रतिनिधि एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल रैनवाल, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी, भोपाल चेम्बर आफ कामर्स के सदस्य चन्द्रप्रकाश ईसरानी, स्थानीय पार्शद अशोक मारन एवं शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी स्थान रखने वाले आनंद सबधाणी को शामिल किया गया है, की पहली बैठक 19 जुलाई को स्टेशन अधीक्षक एवं सलाहकार समिति के अध्यक्ष राकेश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें भोपाल रेल मण्डल के इंजीनियरिंग विभाग, विद्युत विभाग न अन्य विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में सदस्य सुरेश जसवानी जब से बीआरटीएस कारिडोर हटा है उसके बाद भोपाल व सीहोर से आने वाले यात्री सीधे स्टेशन रोड पर प्रवेश करते हैं लेकिन यहां कोई बड़ा संकेत बोर्ड न होने के कारण यात्रियों को परेशानी होती है इसके लिए उन्होंने शिक्षाविद आनंद सबधाणी से अपने खर्चे पर इस तरह का बोर्ड लगाने का आग्रह किया, ओर सभी ने तालियां बजाकर स्वागत किया।

मेट्रो एंकर

वीर लोगों में ही होता है क्षमा का गुण

दादा वासवानी का जन्म दिन क्षमा दिवस के रूप में मना

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर के स्कूलों में दादा टीएल वासवानी को याद किया गया। बच्चों को दादा वासवानी के जीवन से बुद्धिजीवी, समाजसेवियों ने अवगत कराया।

साधु वासवानी स्कूल के नंदवानी ऑडिटोरियम में क्षमा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दादा जश्न वासवानी एवं संतजी की तस्वीर के समक्ष माल्यार्पण व प्रार्थना कर किया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि मैं कितना भाग्यशाली गुरु हूं जो मेरे शिष्य अच्छे-अच्छे पदों पर पहुंच गए हैं, ऐसे शिष्यों पर मुझे गर्व हैं आज क्षमा दिवस के अवसर पर हम सभी यही संकल्प लें कि किसी से द्वेष न करते हुए सभी से प्रेम करेगें और दादाजी के विचारों को अपनाकर सभी को क्षमा करेंगे। इस अवसर पर सिंधी सेंट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी ने कहा कि जिस प्रकार संतजी के सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का कार्य सिद्ध भाउजी कर रहे हैं उसी प्रकार साधु टी.एल. वासवानी जी के सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का कार्य दादा जश्न वासवानी ने किया। कार्यक्रम में दिलीप मंगतानी भी उपस्थित थे।

संस्कार स्कूल के सचिव बंसत चेलानी ने कहा कि क्षमा वीरों का आभूषण हैं और क्षमा वहीं करते हैं जो वीर हैं, हमें दादाजी के वचनों को आचरण में उतारने का प्रयास करना चाहिए तभी क्षमा दिवस मनाना सार्थक होगा।

क्षमा दिवस के अवसर पर कविता दीदी, डॉ. राजकुमारी चोटरानी, प्राचार्या सुतापा जॉयसवाल, उपप्राचार्या स्वाति कलवानी ने किया। कार्यक्रम का संचालन भावना कलवानी तथा आभार प्राचार्या सुतापा जॉयसवाल ने किया।

संत कॉलेज : साधु वासवानी मिशन में शांति और क्षमा के विचार को दृढ़ता प्रदान करने के लिए वार्षिक रूप से मोमेंट ऑफ कॉम मनाया जाता है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने क्षमा की परिवर्तनकारी शक्ति को रेखांकित किया, जो व्यक्तिगत जीवन और समाज में बदलाव ला सकती है। उन्होंने सभी को अपने कार्यों पर विचार करने और क्षमाशील दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। आहार और पोषण विभागाध्यक्ष विभा खरे ने छात्राओं को अपने दैनिक जीवन में क्षमा को शामिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आंतरिक शांति के महत्व पर जोर दिया एवं 2 मिनट का मौन रखने के कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

संस्कार पब्लिक स्कूल

दादा जशन वासवानी का जन्मदिन क्षमा दिवस के रूप में मनाया गया। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि क्षमा व्यक्ति का आभूषण है इसलिए हमें अपने जीवन में क्षमा के गुण को अपनाना चाहिए इसलिए हम आज यह संकल्प लेते है कि आज हमें सबको क्षमा करना है और अगर कोई गलती हुई है तो क्षमा मांगनी है एवं अपनी गलती पर चिंतन कर उसे सुधारने का प्रयास भी करना चाहिए। कार्यक्रम में अतिथि राजकुमारी चोटरानी, कविता बालचंदानी ने अपने विचार व्यक्त किए। उपप्रचार्या मीनल नरयानी ने कहा कि क्षमा एक दिव्य सद्गुण है। स अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बच्चों ने दादाजी के श्री चरणों में नमन किया एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किए एवं क्षमा करने का संकल्प किया गया।

10 आईएएस बदले, एसएन मिश्रा को गृह का जिम्मा

आखिरकार एसीएस सुलेमान को स्वास्थ्य से हटाया, कृषि का जिम्मा

कई नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता से घेरे में था महकमा, संदीप यादव को स्वास्थ्य दिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।
आखिरकार अपर मुख्य सचिव मो. सुलेमान को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग से हटा दिया है। अब उन्हें कृषि उत्पादन आयुक्त बनाया है। वह चार साल से अधिक समय से विभाग में पदस्थ थे। हाल ही में शांत हुए नर्सिंग घोटाले में जिन फर्जी नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता देने के आरोप सामने आए थे उनमें से कई कॉलेजों को इन्हीं के विभागीय मुखिया होने के दौरान मिली थी। माना जा रहा है कि नर्सिंग घोटाले की परतें खुल सकती है।

हालांकि सरकार ने एक नहीं, बल्कि 10 आईएएस को बदला है। इनमें एसीएस एसएन मिश्रा को गृह विभाग की जिम्मेदारी दी गई है तो संदीप यादव से जनसंपर्क लेकर स्वास्थ्य का जिम्मा दे दिया है। उधर स्वास्थ्य विभाग से विवेक पोरवाल और गृह से संजय दुबे को 4 से 6 महीने में वापस ले लिए हैं। अब दुबे को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का पीएस बनाया है। हाल ही में आयुक्त जनसंपर्क बनाए गए डॉ. सुदाम पंढरीनाथ खाड़े को जनसंपर्क विभाग का पीएस बनाकर एक और जिम्मेदारी दी है तो आयुष व लोक परिसंपत्ति विभाग के पीएस अनिरूद्ध मुखर्जी को मप्र भवन दिल्ली भेज दिया है। वहीं मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय शुक्ल को विमानन विभाग, वन विभाग के एसीएस अशोक वर्णवाल को सहकारिता विभाग का और उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह को उच्च शिक्षा विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया।

मुख्यसचिव वीरा राणा को मिल सकता है फिर एक्सटेंशन !

मुख्य सचिव वीरा राणा को एक और सेवावृद्धि के संकेत ताजा फेरबदल से निकले हैं। उनका कार्यकाल सितंबर 2024 तक है। बीती रात वरिष्ठ अधिकारियों की जिस तरह से पदस्थापना की गई है,उसमें मुख्य सचिव पद के दावेदारों में प्रमुख नामों में 1989 बैच के अधिकारी मोहम्मद सुलेमान और 1990 बैच के अधिकारी एसएन मिश्रा की नयी पदस्थापनाा गौरतलब हो चली है। दोनों अधिकारियों के दायित्व में जिस तरह परिवर्तन किया है, उससे माना जा रहा है कि किसी अन्य अधिकारी के लिए रास्ता सुगम हो सकता है। वहीं अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा को सीएम यादव ने गत माह अपने कार्यालय में पदस्थ कर बड़ा संकेत दिया गया। उनसे वरिष्ठ अधिकारी 1989 बैच के विनोद कुमार और जेएन कंसोटिया को मंत्रालय के बाहर पदस्थ किया तो अब अपर मुख्य सचिव मोहम्मद सुलेमान को कृषि उत्पादन आयुक्त बनाया है। ज्ञात हो मुख्यसचिव वीरा राणा अभी छह माह एक्सटेंशन पर ही हैं।

मप्र सरकार अब 5 हजार करोड़ का नया ऋण लेने की तैयारी में

भोपाल, दोपहर मेट्रो।
कर्ज केबोझ के आरोप में अक्सर आने वाली मप्र की सरकार अब 5000 करोड़ रुपये का नया कर्ज और लेने की तैयारी में है। यह दो किस्तों में लिया जाएगा। पहला कर्ज ढाई हजार करोड़ रुपये का 11 साल के लिए लिया जाएगा। जबकि, ढाई हजार करोड़ रुपये का ही दूसरा कर्ज 21 साल के लिए लिया जाएगा। प्रदेश सरकार पर 31 मार्च की स्थिति में 3 लाख 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक का ऋण पहले से ही है।
हालांकि जानकार बताते हैं कि राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम के प्रावधान के अनुसार, सरकार राज्य सकल घरेलू उत्पाद का तीन प्रतिशत तक ऋण ले सकती है। आधा प्रतिशत ऋण ऊर्जा सहित अन्य क्षेत्रों के लिए विशेष परिस्थिति में लिया जा सकता है। वर्ष 2024-25 में सरकार 65 हजार करोड़ रुपये तक कर्ज ले सकती है। इसका उपयोग विकास परियोजना और आर्थिक गतिविधियों को गति देने के लिए किया जा सकता है।
बेंगलुरू जाएंगे सीएम- मुख्यमंत्री निवेशकों से चर्चा करने आगामी 7-8 अगस्त को बेंगलुरु जा रहे हैं। वे आईटी सेक्टर में निवेश के अवसरों पर इंटरैक्टिव सेशन में शामिल होंगे। मुंबई और कोयंबटूर में ऐसे सत्रों के बाद, कर्नाटक के प्रमुख औद्योगिक केंद्र भारत की सिलिकॉन वैली यह आयोजन होंगा। सत्र में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाएं (आइटीईएस), इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम), कपड़ा और परिधान, एयरोस्पेस और रक्षा, ऑटोमोबाइल और ओईएम, फार्मास्यूटिकल्स, हेल्थकेयर और मेडिकल डिवाइस संबंधी उद्योगों के प्रदेश में निवेश पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

प्रदेश में निवेश के लिए अगला पड़ाव बेंगलुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का अगला पड़ाव बेंगलुरू में होने जा रहा है। जहाँ उद्योगपतियों के साथ 8 अगस्त को इंटरेक्टिव सेशन होगा। मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों को ब?ाने के लिए किये जा रहे विशेष प्रयासों के तहत यह सत्र फरवरी, 2025 में होने वाले ÷इन्वेस्ट मध्यप्रदेश-ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025÷ से पहले 'रो? टू जीआईएस' श्रृंखला का हिस्सा है। त?ढ़ुस-25 में आईटी सेक्टर में उद्योगपतियों को निवेश के लिये आमंत्रित करने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 7-8 अगस्त को बेंगलुरू में इंटरेक्टिव सेशन में उद्योगपतियों से चर्चा करेंगे। बेंगलुरू विप्रो, इंफोसिस, टीसीएस, आईबीएम जैसी कई बड़ी आईटी कंपनियों का हब है। सत्र में सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाएँ, इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन और विनिर्माण, कपड़ा और परिधान, एयरोस्पेस और रक्षा, ऑटोमोबाइल और ओईएम, फार्मास्यूटिकल्स, हेल्थकेयर और मेडिकल डिवाइस संबंधी उद्योगों के प्रदेश में निवेश पर विस्तृत चर्चा की जायेगी। आवश्यकतानुरूप प्रदेश में आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में निवेश होने से म.प्र. के विकास में नए आयाम स्थापित होंगे। इसके अतिरिक्त सत्र में विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख उद्योगपति, निवेशक और हितधारक शामिल होंगे।

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधनी विधानसभा के नसरूल्लागंज में वरिष्ठ कांग्रेसजनों, ब्लाक अध्यक्ष, बूथ प्रभारी, बीएलए और कार्यकर्ताओं की संयुक्त बैठक की और साथ में भोजन किया। कांग्रेस इन दिनों बुधनी में उपचुनाव की तैयारी में है।

सत्यानंद को वित्त व बजट का जिम्मा, दो आईएफएस पदोन्नत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।
वन विभाग ने भारतीय वन सेवा के तीन अधिकारियों की पदस्थापना में फेरबदल किया है। इनमें पीसीसीएफ एवं जबलपुर स्थित राज्य वन अनुसंधान केंद्र के निदेशक बनाए गए सत्यानंद को मुख्यालय बुलाकर वित्त एवं बजट का जिम्मा दे दिया है। जबकि दो आईएफएस प्रदीप वासुदेवा और पुरषोतम धीमान को एपीसीसीएफ से पदोन्नत कर पीसीसीएफ बना दिया है। इसमें से प्रदीप वासुदेवा को पदोन्नत कर प्रतिनियुक्ति पर राज्य वन अनुसंधान केंद्र भेज दिया है। वह पूर्व में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्य आयोजना जबलपुर में थे। वहीं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक पुरुषोतम धीमान को पदोन्नत कर प्रधान मुख्य वन संरक्षक बनाकर ग्रीन इंडिया मिशन में पदस्थ किया है। ये आदेश गुरुवार को जारी किए गए हैं।

भोपाल में संघ के प्रचार विभाग की राष्ट्रीय बैठक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रचार विभाग की तीन दिवसीय बैठक भोपाल में जारी है। संघ पदाधिकारियों के मुताबिक यह बैठक पूरी तरह आंतरिक है। इसमें संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार शामिल हो रहे हैं। प्रचार विभाग के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर व सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर भी हिस्सा ले रहे हैं। सभी प्रांतों के प्रचार प्रमुख और सह प्रचार प्रमुख भी शामिल हुए हैं। उक्त बैठक में बीते वर्ष किए प्रकल्पों व कामों पर बातचीत शुरू हुई और आगामी समय में किए जाने वाले विभागीय कामों पर चर्चा हो रही है। माना जा रहा है कि मप्र पर विशेष ध्यान दे रहा है। हाल ही में संघ के समविचारीय संगठन भारतीय मजदूर संघ ने स्थापना दिवस पर पहली बार 23 जुलाई को भोपाल में राष्ट्रीय आयोजन किया था। जिसमें संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले और पूर्व सह सरकार्यवाह वी भागय्या शामिल हुए। इसके पहले 20 जुलाई को अचानक यूपी में होने वाली बैठक छोड़ संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार भोपाल पहुंचे थे और उन्होंने विभिन्न टोलियों की बैठक ली थी। जबकि मई में कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग–1 में संघ प्रमुख मोहन भागवत प्रवास कर चुके थे।

मुख्यमंत्री ने विभाग की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

गरीब की थाली में मोटा अनाज होगा शामिल, ड्रेस कोड में नजर आएंगे नापतौल विभाग के कर्मचारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।
गरीबों की थाली में मोटा अनाज अर्थात श्रीअन्न भी शामिल होगा और नापतौल विभाग के कर्मचारी ड्रेस कोड में नजर आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक में शुक्रवार को ये दिए निर्देश।
उल्लेखनीय है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने मोटे अनाज की खेती के लिए बीज की खरीदी पर 80 प्रतिशत सब्सिडी देने की बात कही थी। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनवरी 2024 में मोटे अनाज के उत्पादन पर 10 रुपये प्रति किलो प्रोत्साहन राशि देने की बात कही थी। यही नहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जून महीने के तीसरे सप्ताह में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह के सामने कोदो-कुटकी समर्थन मूल्य पर खरीदी करने का प्रस्ताव रखा था, जिसे उन्होंने तत्काल मंजूर करते हुए घोषणा की थी कि 4290 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर कोदो-कुटकी की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय किसानों से मोटा अनाज लेने और प्रक्रिया में स्व-सहायता समूहों को जोड़ने पर विचार किया जाए।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत जिन्हें पर्ची जारी की वे योजना के लिए पात्र हैं या नहीं इसका भी सर्वे करें। पाइप लाइन द्वारा रसोई गैस उपलब्ध कराने संबंधी गतिविधि के लिए राज्य स्तर पर गैस कार्पोरेशन गठित हो। औद्योगिक क्षेत्र में भी गैस उपयोग की संभावना है, इसकी आपूर्ति को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना बनाई जाए। अन्य राज्यों में इस संबंध में लागू व्यवस्था का भी अध्ययन किया जाए। प्रदेश में दलहन उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए नीति बनाएं और भू-जल भंडारण के संरक्षण और बिजली की बचत के दृष्टिगत बिना मौसम की धान व मूंग के उत्पादन को हतोत्साहित करें।

युंका पदाधिकारियों की बैठक कल, जीतू-सिंघार भी मौजूद रहेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मितेंद्र सिंह यादव की अध्यक्षता में 4 अगस्त पूर्वान्ह 11 युवा कांग्रेस के प्रदेश पदाधिकारियों, जिला-शहर युवा कांग्रेस अध्यक्षों के साथ ही हाल ही में घोषित विधानसभा इकाईयों के अध्यक्षों की विस्तृत बैठक शिवाजी नगर स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के भूतल पर राजीव गांधी सभागार में आयोजित की गई है। विस्तारित बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार मौजूद रहेंगे। इसमें हेतु सभी पदाधिकारियों, जिला-शहर युवा कांग्रेस अध्यक्षों के साथ ही हाल ही घोषित विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्षों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है।

मेट्रो एंकर | उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने की आर्थिक सांख्यिकी विभाग की समीक्षा

स्टेट डाटा एंड एनालिटिक्स प्लेटफार्म स्थापित करने तैयारी शुरू, नीति आयोग देगा सहयोग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।
मध्यप्रदेश में नीति आयोग के सहयोग से स्टेट डाटा एंड एनालिटिक्स प्लेटफार्म स्थापित करने की तैयारी चल रही है। इसके निर्माण में नीति आयोग पूरा सहयोग कर रहा है। विकसित मध्यप्रदेश 2047 का विजन डॉक्यूमेंट बनकर तैयार हो चुका है, जिसके स्वरूप के अनुमोदन कराने की अंतिम तैयारी चल रही है।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को यह जानकारी आज मंत्रालय में योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की समीक्षा में दी गई। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने मंत्रालय में विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की। प्रमुख सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी संजय कुमार शुक्ल, सचिव श्रीमन् शुक्ला, उप सचिव माधवी नागेन्द्र, अवर सचिव संघमित्रा बौद्ध, संयुक्त संचालक विश्वजीत रायकवार, मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग के उप सचिव वी.एस. धापानी, सलाहकार ईश गुप्ता, प्रशासनिक अधिकारी, पूर्णिमा शर्मा, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक धीरेन्द्र पाण्डेय एवं अवर सचिव राज्य सांख्यिकी आयोग श्री नरेश बहल उपस्थित थे।

बताया गया कि उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं के नेतृत्व में विकास को बढ़ावा देने के लिए नीति आयोग ने वूमेन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफार्म बनाया है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा की पहल पर नीति आयोग को इस प्लेटफार्म का स्टेट चैप्टर मध्यप्रदेश में स्थापित करने का प्रस्ताव दिया गया है। सतत विकास लक्ष्यों पर प्रगति मापने के लिए नीति आयोग ने हाल ही में प्रकाशित एसडीजी इंडिया इंडेक्स में प्रदेश के प्रदर्शन को उल्लेखनीय बताया है। मध्य प्रदेश का समग्र स्कोर 2018 में 52 से बढ़कर नवीनतम 2023-24 की रिपोर्ट में 67 हो गया है। इस प्रकार प्रदेश उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्यों की श्रेणी में फ्रंट रनर शामिल हो गया है।

इसी प्रकार नीति आयोग द्वारा जारी रैंकिंग में सेंट्रल जोन में तिरला विकासखंड जिला धार ने प्रथम स्थान और पार्टी विकासखंड जिला बड़वानी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। पुरस्कार के रूप में केंद्र सरकार से इन दोनों विकासखंडों को क्रमशः डेढ़ करोड़ और एक करोड़ की राशि प्रोत्साहन स्वरूप मिली है। यह भी बताया गया गया कि जन्म-मृत्यु पंजीयन के नए पोर्टल से शत-प्रतिशत पंजीयन का लक्ष्य रखा गया है। जन्म-मृत्यु पंजीयन संशोधित अधिनियम 2023 के पालन में नए नियमों का प्रकाशन भी कर दिया गया है। राष्ट्रीय न्यादर्श सर्वेक्षण के 80वें दौर की तैयारी चल रही है। प्रदेश के 42 आकांक्षी विकासखंडों की सतत समीक्षा जारी है। समीक्षा बैठक में जनअभियान परिषद द्वारा किये जा रहे कार्यों, योजनाओं एवं संचालित गतिविधियों की समीक्षा भी की गई। इसमें मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम, प्रस्फुटन योजना, नवांकुर योजना, जल गंगा अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां और केन-बेतवा एवं पावर्ती-कालीसिंध चंबल जल कलश यात्रा शामिल थी।

संपादकीय

फिर नए युध्द के खतरे

कुछ महीने पहले जब इजरायल पर हमास ने हमला किया था और सैंकडों लोगों को मार डाला था तब से भड़का तनाव करोडों लोगों की जिंदगी को तबाह कर रहा है। इसके बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर युद्ध विराम की मांग व उम्मीद लगातार की जा रही थी, लग रहा था कि दोनों तरफ से तनाव कम होगा लेकिन अब ईरान में हमास प्रमुख इस्माइल हनियेह की जिस तरह हत्या कर दी गई है और हमास के मिलिट्री कमांडर मोहम्मद दिएफ के भी मारे की जाने की खबर आ चुकी है इससे न केवल शांति की उम्मीदों को गहरा झटका लगा है। बल्कि अन्य दूसरे परोक्ष अपरोक्ष युध्द का खतरा भी बढ गया है। दोनों पक्षों के बीच टकराव की वजह से गाजा पट्टी में आम लोगों की जिंदगी किस दशा में चली गई है, यह सभी जानते है। इस युद्ध के दौरान त्रासदी का स्तर लगातार ज्यादा गहराते जाने के दौर में कई तरफ से युद्ध विराम के लिए इजराइल पर दबाव बनाने की कोशिशें चल रही थीं। यहां तक अमेरिका भी अपने करीबी सहयोगी से युद्ध को रोकने की उम्मीद कर रहा था। मगर इजराइल का रुख स्पष्ट बना रहा कि वह हमास पर हमले में कोई नरमी नहीं बरतेगा। अब खुद ईरान ने भी हनियेह की मौत का बदला लेने की बात कह दी है। हालांकि अमेरिका ने दोनों पक्षों से तनाव कम करने की गुजारिश की है और ईरान पर जवाबी कार्रवाई न करने का दबाव भी बढ़ाया है। मगर उसकी अनदेखी कर अगर ईरान ऐसा कोई कदम उठाता है, तो उसके नतीजों का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। दरअसल, हनियेह की मौत के बाद समूचे मध्यपूर्व में जिस स्तर का तनाव उभरा है, वह कभी भी कोई चिंताजनक शक्ल अख्तियार कर ले सकता है। आशंकाएं यहां तक जताई जाने लगी हैं कि हनियेह की मौत के बाद उपजे हालात में अब ईरान इजराइल पर सीधा हमला भी कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो अब तक केवल इजराइल और हमास के बीच सिमटे टकराव की आग में कई अन्य देश खुद को उलझा हुआ पाएंगे। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर युद्ध एक बार शुरू हो जाता है तब उसके बाद उसके अंत का स्वरूप शांति चाहने वाले समुदायों और देशों की इच्छा के अनुरूप नहीं होता है। इसलिए इजराइल ने हमास को सबक सिखाने का नाम लेकर जो जिद पकड़ ली है, उसने दुनिया के एक बड़े हिस्से को चिंतित कर दिया है। संघर्ष विराम की उम्मीदों के बीच समूचे मध्य पूर्व में इस तनाव के गहराने और युद्ध के नए मुहाने खुल जाने की आशंका बढ़ गई है। वैसे भी दुनिया में कई देश किसी न किसी वजह से तनाव के शिखर पर हैं। रूस व यूक्रेन के बीच युधद करीब डेढ साल से चल रहा है,इसका कोई अंत नजर नहीं आ रहा। इससे भी लाखों परिवार की जिंदगी तबाह हो रही है। दरअसल युध्द ही सारी समस्याओं का हल नहीं है, यह बात इतिहास से सीखी जा सकती है। युध्द के बजाए खुले दिल से बात और पुरानी तल्खी को छोडकर आगे बढने के ईमानदार जज्बात ही कारगर हो सकते हैं, वरना किसी भी युध्द का परिणाम सिर्फ युध्दरत देश हीं नहीं भुगतते बल्कि कई अन्य देश भी इसके अल्पकालिक या दीर्घकालिक प्रभाव की चपेट में आ जाते हैं।

वायनाड भूस्खलन त्रासदी: वैज्ञानिक चेतावनियों की अनदेखी का नतीजा

■ जयसिंह रावत

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा गत् वर्ष तैयार भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील देश के 147 जिलों के मानचित्र में हिमालयी राज्यों में उत्तराखण्ड को सर्वाधिक और उसके बाद दक्षिण में केरल को दूसरे नंबर पर संवेदनशील दर्शाया गया था। दरअसल, इस मानचित्र में उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग और टिहरी समेत सभी 13 जिले भूस्खलन के लिए संवेदनशील बताए गए थे, जबकि उसी मानचित्र में केरल के सभी 14 में से 14 जिलों को भी संवेदनशील माना गया था, जिनमें केरल के थ्रिसूर को तीसरे, पालाक्काड पांचवें, मालपापुरम सातवें, कोजिकोडा दसवें और बायनाड को 13वें नम्बर पर रखा गया था। इसरो द्वारा किए गए उस वैज्ञानिक अध्ययन का नतीजा हम पिछले साल हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में तो देख ही चुके थे लेकिन अब इसरो की भविष्यवाणी केरल में 30 जुलाइ की प्रातः सामने आ गई। अगर समय रहते हम वैज्ञानिकों, पर्यावारणविदों और विशेषज्ञ संस्थानों की चेतावनियों की अनदेखी कर बैठे रहेंगे तो इसी तरह के भयावह हादसों को इंतजार करना पड़ेगा। पश्चिमी घाट और हिमालयी राज्यों में भूस्खलन का जोखिम अवश्य ही प्राकृतिक है जिसे हम दूर नहीं कर सकते लेकिन यह जोखिम मानवीय कारकों के कारण काफी बड़ गया है, इसलिए बचने के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति के साथ जीना सीखें और जहां तक संभव हो प्रकृति के साथ छेड़छाड़ न करें।

भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग की 2001 की वन स्थिति रिपोर्ट पर गौर करें तो उस समय केरल में 11,772 सघन वन और 3,788 खुले वन थे। विभाग की नवीनतम 2021 की रिपोर्ट में सघन वनों को अति सघन और सामान्य सघन वन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इस रिपोर्ट में राज्य में 1,944 वर्ग किमी अति संघन, 9,472 वर्ग किमी सामान्य सघन और 9,837 खुले वन दिखाए गए हैं। नवीनतम् रिपोर्ट के सघन वनों की दोनों श्रेणियों को जोड़ा जाए तो वह 11,416 वर्ग किमी बनता है। जबकि 2001 में राज्य में कुल 11,772 वर्ग किमी सघन वन थे।

इस तरह राज्य में दो दशकों में 356 वर्ग किमी सघन वन गायब हो गए। वर्ष 2019 की रिपोर्ट की तुलना में भी 2 साल के अन्दर ही केरल में 36 वर्ग किमी सघन वन घट गए और खुले वनों का आकार 136 वर्ग किमी बड़ गया। सघन वन धरती की एक प्राकृतिक छतरी होते हैं जो कि बारिश की तेज बूंदों को तो थामती ही है, साथ ही उन वृक्षों की जड़ें मिट्टी को जकड़े रखती हैं जिससे भूस्खलन रुकता है। भूस्खलन पहाड़ी क्षेत्रों में ही होता है इसीलिए हिमालयी राज्यों के साथ ही पश्चिमी घाट से संबंधित कर्नाटक, तमिलनाडू, महाराष्ट्र, गोवा और गुजरात के पहाड़ी क्षेत्रों को भूस्खलन के लिए अधिक संवेदनशील माना गया है।केरल के 14 में से 10 जिले पहाड़ी हैं जहां 16, 959 वर्ग किमी क्षेत्र में वन हैं। इन वनों में 15,49 वर्ग किमी अति संघन, 7212 वर्ग किमी सामान्य सघन और 7212 वर्ग किमी खुले वन है। वनों को ह्रास इन्हीं पहाड़ी जिलों में हो रहा है। वायनाड का नवीनतम् भूस्खलन केरल की कोई नयी त्रासदी नहीं है। यहां भूस्खलनों के लिए प्राकृतिक कारण तो अवश्य हैं मगर इसके लिए मानवीय कारण कम जिम्मेदार नहीं हैं। राज्य में सन् 2001 में कोट्टायम जिले में भी एक बड़े भूस्खलन में कई लोग मारे गए और व्यापक क्षति हुई थी। मानसून के मौसम में, इडुक्की जिले और अन्य क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण जान-माल का नुकसान के उदाहरण मौजूद हैं। सन् 2018 की बाड़ के साथ राज्य भर में कई भूस्खलन हुए। उस समय खासकर इडुक्की, वायनाड और मलप्पुरम के पहाड़ी जिलों में भारी नुकसान हुआ था। इसी तरह 2019 में भी विभिन्न जिलों में भीषण भूस्खलन हुआ। उस समय वायनाड में पुथुमाला और मलप्पुरम में कवलप्पारा जैसे इलाके गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे। अगस्त 2020 में इडुक्की जिले के पेट्टीमुडी इलाके में एक भयावह भूस्खलन हुआ, जिसमें कम से कम 66 लोग मारे गए।केरल में मानसून के मौसम में भारी और तीव्र वर्षा होती है जिससे मिट्टी की धारण क्षमता कमजोर होने से भूस्खलन होता है। कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) में वायुमंडलीय रडार अनुसंधान केन्द्र के एक अध्ययन के अनुसार अरब सागर के गर्म होने से घने बादल तंत्र बन रहे हैं, जिससे केरल में कम समय में ही अत्यधिक भारी वर्षा हो रही है और भूस्खलन की संभावना बड़ रही है। अध्ययन में कहा गया है कि वर्षा की तीव्रता में वृद्धि मानसून के मौसम में पूर्वी केरल में पश्चिमी घाट के उच्च से मध्य-भूमि ढलानों में भूस्खलन की संभावनाएं बड़ रही है। वनों को कृषि और शहरी क्षेत्रों में बदलने से मिट्टी को स्थिर करने में मदद करने वाला प्राकृतिक वनस्पति आवरण कम हो रहा है। केरल के पहाड़ी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर जनसंख्या का केन्द्रीकरण, तेजी से शहरीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास होने से प्राकृतिक भूभाग और जल निकासी पैटर्न को बिगड़ रहा है, जिससे भूस्खलन का खतरा बड़ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय गतिविधियों या प्राकृतिक घटनाओं के कारण प्राकृतिक जल निकासी पैटर्न में परिवर्तन से जल संचय और छिद्रों में पानी का दबाव बड़ रहा है, जिससे ढलान अस्थिर हो रहे हैं। गाडगिल रिपोर्ट फाइलों में हुई गुमन भारत सरकार द्वारा भूस्खलन पारिस्थितिकीविद् माधव गाडगिल के नेतृत्व में ''गठित पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल'' ने 2011 में केंद्र को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी जिसमें सिफारिश की गई थी कि पूरी पहाड़ी श्रृंखला को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया जाए और उनकी पारिस्थितिक संवेदनशीलता के आधार पर पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में विभाजित किया जाए। लेकिन उन सिफारिशों की अनसुनी कर दी गई। भूस्खलन देशभर के पहाड़ी क्षेत्रों में एक आम भूवैज्ञानिक जाखिमों में से एक है। भारत में लगभग 0.42 मिलियन वर्ग किमी या 12.6 प्रतिशत भूमि क्षेत्र बर्फ से ढके क्षेत्र को छोड़कर, भूस्खलन के लिए संवेदनशील है। इसमें से 0.18 मिलियन वर्ग किमी उत्तर पूर्व हिमालय में पड़ता है। पश्चिमी घाट और कोंकण पहाड़ियों (तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र) में 0.09 मिलियन वर्ग किमी और आंध्र प्रदेश के अरुकु क्षेत्र के पूर्वी घाट में 0.01 मिलियन वर्ग किमी भूस्खलन संवेदनशील चिन्हित किया गया है। दरअसल केरल या उत्तराखण्ड ही नहीं बल्कि हिमालय के साथ ही दक्षिण के सभी पहाड़ी इलाके भूस्खलन की जद में हैं। इसरो ने देश के 17 राज्यों और दो केन्द्र शासित 147 जिलों को संवेदनशील माना है। इसरों के जाखिम मानचित्र के अनुसार वर्ष 2014 से लेकर 2017 के बीच मीजोरम में 12,385, उत्तराखण्ड में 11,219, त्रिपुरा में 8,070, अरुणाचल में 7,689 जम्मू-कश्मीर में 7,280 और केरल में 6039 भूस्खलन दर्ज हुए। पूर्वोत्तर के जिलों में वनावरण का ह्रास भी भूस्खलन का एक प्रमुख कारण है। **-साभार**

निशाना

छिछालेदर हो रही !

- कृष्णेन्द्र राय

गिरा इतना स्तर ।
क्या कुछ कहना बाकी ।।
टाय टाय फिस्स हुई ।
आपकी चालाकी ।।
कार्यशैली पल पल ।
देख रहा है देश ।।
स्वत- धीरे धीरे ।
पहुंच रहा संदेश ।।
थे बदलने आए ।
जो गड़बड़ था तंत्र ।।
उतरे बदसलूकी पर ।
कर विचरण स्वतंत्र ।।
रहा ना कुछ अब गुप्त ।
खुल गए सारे राज़ ।।
छीछालेदर हो रही ।
फिर भी पहने ताज ।।

आज का इतिहास

- 1704 जिब्राल्टर ने कल्लेंबूरह के अंग्रेजी बेड़े पर कब्जा किया।
- 1803 ब्रिटिश ग्वालियर के सिंधिया के खिलाफ दूसरे एंग्लो-मराठा युद्ध शुरू किया।
- 1811 जुंगफ्रा की पहली चढ़ाई बर्नानी आल्प्स में तीसरा सबसे ऊंचा शिखर सम्मेलन था।
- 1852 संयुक्त राज्य अमेरिका में पहला हार्वर्ड-येल रेगाटा- पहला इंटरकॉलेजिएटस्पोर्ट्स इवेंट था, जो विन्सेपसाउकी, न्यूहैम्पशायर झील पर आयोजित किया गया था।
- 1852 उद्घाटन हार्वर्ड-येल रेगाटा-संयुक्त राज्य अमेरिका में पहली बार आयोजित किया जाने वाला खेल कार्यक्रम- न्यू हैम्पशायर के लेकविनेपसाउकी में आयोजित किया गया था।
- 1860 न्यूज़ीलैंड में दूसरा माओरी युद्ध शुरू किया गया।
- 1882 अमेरिकी कांग्रेस ने 1882 के आव्रजन अधिनियम को आगे ब?ाया।
- 1892 बुल्गारिया में पहला इलेक्ट्रिक प्रकाश बल्ब प्लोवदिव मेले में प्रयोग किया गया।
- 1899 जॉन मार्शल लॉ स्कूल शिकागो में स्थापित किया गया।
- 1900 फायरस्टोन टायर एंड रबर कंपनी की स्थापना हुई थी।
- 1900 फायरस्टोन टायर और रबर कंपनी, ऑटोमोबाइल टायर के मासप्रोडक्शन में अग्रणी, हार्वे फायरस्टोन द्वारा ऑकॉन, ओहियो, यूएस में स्थापित किया गया था।
- 1913 अमेरिका के कैलिफोर्निया में व्हीटलैंड में कृषि श्रमिकों द्वारा की गई हड़ताल, दंगों में पतित हो गई, जो कैलिफोर्निया के पहले प्रमुख कृषि श्रमसंबंधों में से एक है।
- 1914 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी ने फ्रांस के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

खुद से लड़ो, बाहर के शत्रुओं से क्या लड़ना, जो व्यक्ति खुद से लड़ना सीख जाए उसे जीवन में आनंद की प्राप्ति होती है।
- भगवान महावीर

सादगी, प्रेम और सरलता से सम्पन्न असाधारण व्यक्तित्व राजेन्द्र शुक्ल

जन्म-दिवस 3 अगस्त पर विशेष

■ ताहिर अली

राजेन्द्र शुक्ल... मध्यप्रदेश के राजनीतिक क्षितिज में दैदीप्यमान वह प्रकाशपुंज हैं जो उज्जवल भविष्य, चहूँओर विकास को प्रदर्शित करता है। उनका नाम, विकास का भविष्योन्मुखी सोच का परिचायक है। उनकी दूरदर्शी सोच और उस सोच को धरातल में लाने की दृढ़ इच्छाशक्ति और जुझारू व्यक्तित्व उन्हो विशेष बनाता है। जन-जन के विकास के लिए बिना-रुके, बिना- थके सतत प्रयासरत शुक्ल की विनम्रता उनके व्यक्तित्व को असाधारण बनाती है। शिखर पर पहुँचने के बाद भी विनम्र बने रहना सबसे बड़ा गुण है। जहां तक राजेन्द्र शुक्ल जी का सवाल है, उन्हें विनम्रता का पर्याय कहना किसी भी तरह की अतिशयोक्ति नहीं होगी।

निःस्वार्थ सेवा, अथक परिश्रम, गहन समर्पण, अटूट निष्ठा, जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदा तत्परता और लक्ष्य की ओर निरंतर यात्रा ने उन्हें भीड़ में अलग पहचान दिलाई है। वे नवोन्मेषी विचारक हैं। उनके अंतरात्मा में विचारों की निरंतरता हमेशा गतिशील रहती है। उनके नवाचार की ऊष्मा हर पल नए और विशिष्ट विचारों का जन्म देती रहती है। चुनौतियों और लक्ष्यों से लड़ने की दृढ़ शक्ति उनमें निहित है। सौंपे गए दायित्वों को कुशलता से निभाने की क्षमता का आकलन कर विरोधी भी उनकी प्रशंसा किए बिना नहीं रहते हैं। कैसी भी बाधाएँ समस्याएँ आ जायें, बिना समय व्यर्थ किए, बिना विचलित हुए वे सदैव समाधान के लिए प्रयास करते हैं। उनका मानना है कि अगर आप समाधान का हिस्सा नहीं है, तो आप खुद एक समस्या हैं। वे मानते हैं कि श्रमेण सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः अर्थात श्रम से ही कार्य सिद्ध होते हैं, मात्र इच्छाओं से नहीं। लक्ष्य प्राप्ति के लिए सतत प्रयास करना सोच से भी महत्वपूर्ण है। सतत प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। यहाँ रश्मिरथी का यह उद्धरण प्रासंगिक है खम ठोक ठेलता है जब नर, पर्वत के जाते पांव उखड़, मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है... राजेन्द्र शुक्ल का जीवन संघर्ष और सेवा का जीवंत उदाहरण है, जो हमें प्रेरणा देता है कि कैसे कठिनाईयों और संघर्षों के बीच भी एक व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है और समाज के लिए आदर्श बन सकता है। श्री राजेन्द्र शुक्ल के व्यक्तित्व की उदारता, सहृदयता, संवेदनशीलता और सज्जनता के अद्भुत संयोजन में ऐसा व्यक्तित्व निर्मित हुआ है, जिसने सरल, सहज, उदार, स्नेही व्यक्तित्व की नई इबारत लिखी है। विशाल व्यक्तित्व के धनी का सशक्त पहलू व्यापक विचारधारा है। उनकी चिंतन क्षमता ने उनके व्यक्तित्व में व्यवहारिकता और अध्यात्मिकता का अनूठा संयोजन किया है। उनकी सफलताओं का आधार उनके करिश्माई व्यक्तित्व और अनूठी सोच है। विचारों की व्यापकता का रूचि-नीति में भी परिलक्षित होती है। उनका यहीं सेवा-भाव जरूरतमंद की मदद करने में दिखता है। शुक्ल में सेवा-संकल्प का समर्पित भाव, चुनौतियों की जिद और जूनून के साथ सामना करने का जज्बा उनके व्यक्तित्व के ऐसे पहलू हैं, जिन्होंने राजनीति को सेवा नीति में बदल दिया है। एक योगी की तरह हर आम-खास की बात, समस्या सुनना, मनन करना और जरूरतमंदों की सेवाभाव से मदद करना उनकी प्राथमिकता में रहता है। उनका यह ऐसा गुण है, जिसमें आम जन के मन से उनका एक गहरा और आत्मीयता पूर्ण रिश्ता बन जाता है। राजेन्द्र शुक्ल को कभी अपनी छवि निर्माण के लिए प्रयास नहीं करने पड़े। उनके कर्मठ व्यक्तित्व और सरल विनम्र स्वभाव ने उनकी छवि को इतना पुख्ता कर दिया है कि उसे धुंधला कर पाना संभव नहीं है। श्री शुक्ल के व्यक्तित्व का प्रभावी पहलू उनकी विशिष्ट संवाद क्षमता है। वे सीधे और सहज भाव से श्रोताओं के साथ सीधा सम्पर्क स्थापित कर उनकी समस्याओं का निदान करते हैं। सीधे संवाद की विशिष्ट क्षमता, विचारों की व्यापकता व्यवहार की सहजता, व्यक्तित्व की विशालता का अद्भुत संयोजन का ही नाम श्री राजेन्द्र शुक्ल हैं। शुक्ल असाधारण व्यक्ति वाले आम आदमी है। वे दिखते साधारण है लेकिन उनका व्यक्तित्व असाधारण रूप से विशाल और प्रतिभा संपन्न हैं। मानवीय संवेदनाओं, अनुभूतियों से उदार गुणों से भरा दिल है जो हर पल पीड़ित मानवता की सेवा के लिए धड़कता है। वे कार्यों पर जितनी चौकस निगाह रखते हैं, उतनी उनको चिंता है कि दरवाजे पर आए गंभीर रोग से पीड़ित और हर दुखियारे की मदद कर उसका दुःख-दर्द दूर किया जाए। सहजता, सरलता, सौम्यता, शुचिता के साथ ही तत्परता और त्वरित गति से जन-समस्याओं का निराकरण; ये वे गुण होते हैं जो राजनीति के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्ति को एक ऊँचे मुकाम तक पहुँचाते हैं। विन्ध्य की धरती पर जन्में श्री राजेन्द्र शुक्ल के जीवन और उनके व्यक्तित्व-कृतित्व में ऐसे ही गुणों का समावेश है, जो सार्वजनिक जीवन में और राजनीति में काम करने की विशेषताएँ होती है, राजनीति उनके लिए सेवा का भाव रही है।

मानव-सेवा के लक्ष्य शिरोधार्य: शुक्ल ने पिता समाजसेवी स्व. भैयालाल शुक्ल के गुणों और संस्कारों का अनुसरण करते हुए स्वयं को ढाला। धीर-गंभीर ऋषि-मुनि मानव सेवा के लक्ष्य में एक तपस्वी की तरह लीन रहना उनका लक्ष्य है। उनकी सेवा भावना की तपस्या को कभी किसी पद का लालच भंग करने का साहसी ही नहीं जुटा पाया है। मानव-सेवा के लक्ष्य को शिरोधार्य कर अनवरत प्रयासरत हैं।

कर्मयोगी की साधना: राजेंद्र शुक्ल का जन्म और प्रारंभिक शिक्षा रीवा, मध्यप्रदेश में हुई। रीवा में 3 अगस्त 1964 को जन्में श्री राजेन्द्र शुक्ल ने युवा अवस्था में ही राजनीति के प्रति अपनी रुचि बता दी थी, जब वे वर्ष 1986 में रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र संघ के

अध्यक्ष चुने गए। वर्ष 1992 में युवा सम्मेलन का आयोजन करने में भी उनकी सक्रिय भागीदारी रही। वे लायंस क्लब रीवा के लंबे समय से सदस्य रहे हैं। भाजपा मध्यप्रदेश की कार्य समिति के सदस्य और मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल के डायरेक्टर भी रहे हैं। श्री शुक्ल ने वर्ष 1998 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण की और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाए गए। व्यवसाय कृषि, तैराकी के शौकीन पहली बार वर्ष 2003 में विधानसभा के लिए चुने गए और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आवास एवं पर्यावरण रहे। उसके बाद उन्होंने निरंतर अपनी विजय को बरकरार रखा। योग्य, कुशल प्रबंधन और प्रशासनिक क्षमता के धनी श्री शुक्ल को जब भी जो जिम्मेदारी सौंपी गई, उन्होंने प्रबंधन कौशल का बेहतर प्रदर्शन कर उसे परिणाममूलक बनाया। अपने बेहतर प्रबंधन से राजनेताओं के सामने श्री शुक्ल ने अपनी पहचान को नए-नए आयाम दिए। विवादों से दूर रहकर बिना शोरगुल के काम करते रहने की नीति पर वे चले। राजनीति को राष्ट्रहित में रखते हुए वे राष्ट्रवादी चिंतन के साथ अपने कदम को आगे बढ़ाना चाहते हैं। श्री शुक्ल को तीन कार्यकाल में मंत्रीमंडल में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली। वे मंत्री पद की कसौटी पर भी सदैव खरे उतरे। नेतृत्व के प्रति निष्ठा और राज्य सरकार के लक्ष्यों और कार्यक्रमों को पूरा करने की प्रतिबद्धता श्री शुक्ल की विशेषता है। उनकी कर्मठता और लक्ष्य के प्रति संकल्पबद्धता को शब्दों के रूप में पिरोने के लिए बशीर बद्र की यह ग़ज़ल प्रासंगिक है- **जिस दिन से चला हूं मेरी मंज़िल पे नज़र है, आंखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा**

श्री शुक्ल वर्ष 2008 में तेरहवीं विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन, जैव विविधता तथा जैव प्रौद्योगिकी, खनिज साधन, विधि और विधायी कार्य और ऊर्जा मंत्री रहे। वर्ष 2009 में ऊर्जा एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का प्रभार संभालने के पश्चात, श्री शुक्ल ने गुजरात की ग्राम ज्योति योजना से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश में भी अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के माध्यम से प्रदेश में 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के लक्ष्य को हासिल किया गया। ऊर्जा मंत्री के रूप में बिजली संकट जूझते हुए मध्यप्रदेश को रोशन करने की उन्हें चुनौती मिली। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप उन्होंने प्रदेश को बिजली संकट से उबारा। आज मध्यप्रदेश सरप्लस बिजली राज्य के रूप में खड़ा है। वर्ष 2012 में उन्हें मंत्री ऊर्जा, खनिज साधन बनाया गया। वर्ष 2013 में चौदहवीं विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए और मंत्री, ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, खनिज साधन, जनसम्पर्क, वाणिज्य, उद्योग और रोजगार, प्रवासी भारतीय विभाग का मंत्री बनाया गया। चोरहटा से रतहरा बायपास बनवाकर रीवा में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ किया। अपनी तमाम व्यस्तता के बाद भी श्री शुक्ल लक्ष्मण बाग गौ-शाला में जाकर गायों की सेवा कर अपने पिता स्व. श्री भैयालाल शुक्ल जी को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनके नेतृत्व और प्रयासों से रीवा और विन्ध्य क्षेत्र को नई पहचान मिली है और वे निरंतर अपने क्षेत्र के विकास के लिए कार्यरत हैं। नवकरणीय ऊर्जा मंत्री रहते हुए, उन्होंने रीवा में एशिया के सबसे बड़े सोलर प्लांट की स्थापना की और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकार्पित किया। श्री शुक्ल ने व्हाइट टाइगर को विन्ध्य क्षेत्र के मुकुन्दपुर वन क्षेत्र में वापस लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह क्षेत्र 46 वर्षों से व्हाइट टाइगर से वंचित था, जो कि विन्ध्य क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण राजनैतिक और भावनात्मक मुद्दा रहा है। वर्ष 2014 में स्थापित इस जू में आज भी हजारों देशी-विदेशी पर्यटकों का आकर्षण बना हुआ है। श्री शुक्ल रीवा सहित विंध्य क्षेत्र के विकास के कार्यों में सदैव सक्रिय रहे हैं। रीवा में एयरपोर्ट सुविधा के लिए उनके प्रयास फलीभूत हुए और विंध्य की देश के अन्य हिस्सों से कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। वे संभागीय मुख्यालय को महानगर बनाने की दिशा में भी सक्रिय हैं। श्री शुक्ल के प्रयासों से रीवा में तालाबों और जल संरचनाओं का सौंदर्यीकरण और पुनरुद्धार हुआ है। उन्होंने सड़क, पुल, रिंग रोड, मठ, मंदिर, तीर्थ स्थलों का जीर्णोद्धार भी करवाया है। उन्होंने खाली पड़ी एवं अनुपयोगी जमीनों में पार्क और बागों का निर्माण करवाया है। रीवा विधानसभा के 41 गांवो को डी.पी.आई.पी. से जोड़कर करीब 42 स्वसहायता समूह के माध्यम से 41 गांवो में मछली पालन, सब्जी उत्पादन, दुग्ध डेयरी सहित अन्य रोजगार हेतु करीब 20 करोड़ से अधिक की राशि ग्रामीणों को उपलब्ध कराई गयी। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में तेज गति से विकास हुआ। पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी विशेष अभिरुचि रही है। जगह-जगह वृक्षारोपण और ईको-पार्क, नगर वन तथा एपीएस वन का निर्माण करवाया है। युवाओं के खेलकूद के लिए उन्होंने विश्व स्तरीय मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया। बसामन मामा गौ-अभयारण्य गायों की देखभाल और संरक्षण के उत्कृष्ट प्रयासों का मूर्त मॉडल है। श्री शुक्ल स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता के महत्व को जानते हैं और सदैव इस दिशा में प्रयास करते रहे हैं। श्री शुक्ल के नेतृत्व में स्वच्छ रीवा-स्वस्थ रीवा मिशन के तहत नगर पालिक निगम रीवा में करीब 20 से अधिक सुलभ शौचालय का निर्माण कराया गया है, साथ ही अभियान चलाकर नगर नगर पालिक निगम रीवा के अन्तर्गत जितने भी शुष्क शौचालय थे उनके स्थान पर जलरहित शौचालय निर्माण आन्दोलन चलाया गया था। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए उन्होंने ज़िला चिकित्सालय का उन्नयन, सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल का निर्माण और चिकित्सकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किये हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मज़बूत करने के लिए वे सतत प्रयास कर रहे हैं, ताकि हर क्षेत्र के नागरिकों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभता से प्राप्त हो सकें। *और अंत में शुक्ल की सोच और संकल्प को रेखांकित करती हुई दो पंक्तियां -*

भीड़ में भीड़ बनकर रहे तो क्या रहे , भीड़ में अपनी निजी पहचान होनी चाहिए।

- लेखक सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक जनसम्पर्क मप्र हैं

तवा बांध के 9 गेट खोल कर छोड़ा जा रहा है पानी

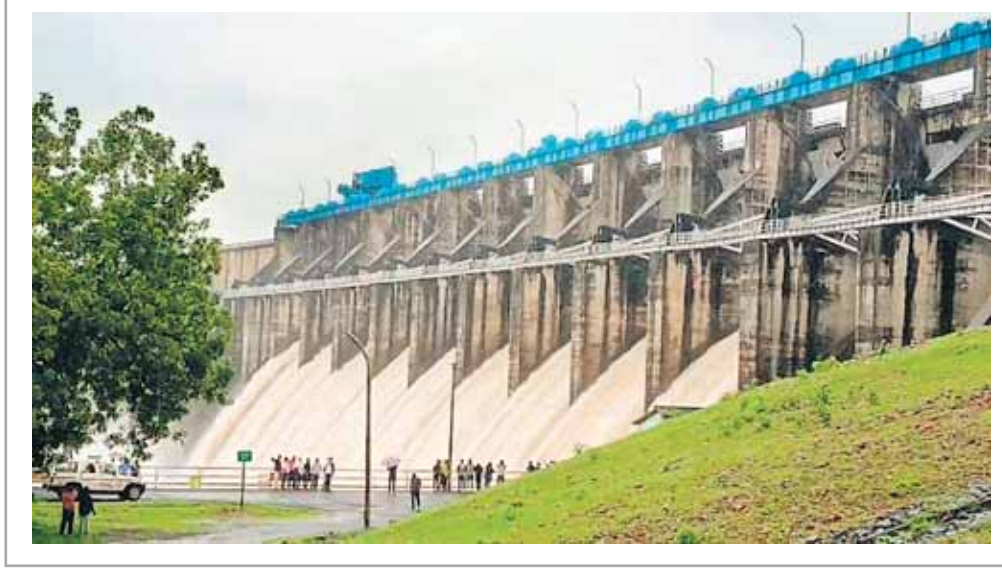

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

पूरे नर्मदापुरम जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण अब धीरे-धीरे नदी नाले में बाढ़ का पानी आने से पूर चल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर तवा डैम के शुक्रवार के दिन 9 गेट खोले गए। तवा बांध के कल सुबह 8 बजे 5 गेट खोले गए थे। लेकिन लगातार हो रही बारिश के कारण दोपहर में 13 में से 9 गेट खोलकर पानी डिस्चार्ज किया गया। क्षेत्र में बीती रात से लगातार बारिश का सिलसिला जरी है रात भर से हो रही केचमेंट एरिया में बारिश के कारण डैम के 9 गेट खोल कर 72 हजार 447 क्यूसेक पानी तवा नदी में छोड़ा जा रहा है। शुक्रवार की शाम तक 9 गेट खोलकर पानी डिस्चार्ज किया गया आज भी गेट खुले हुए हैं। आज सुबह मिली जानकारी के अनुसार तवा बांध जलस्तर रात्रि 1 बजे से 1160.10 सुबह 6 बजे तक और 7 बजे से 1160.20 फिट जलस्तर बना हुआ है रात्रि 1 बजे से लगातार 5 गेट 5 फीट गेट खुले हुए हैं इनसे 40415 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। तवा नदी में पानी बढ़ने के कारण नर्मदा जी का जलस्तर भी काफी बढ़ गया है।

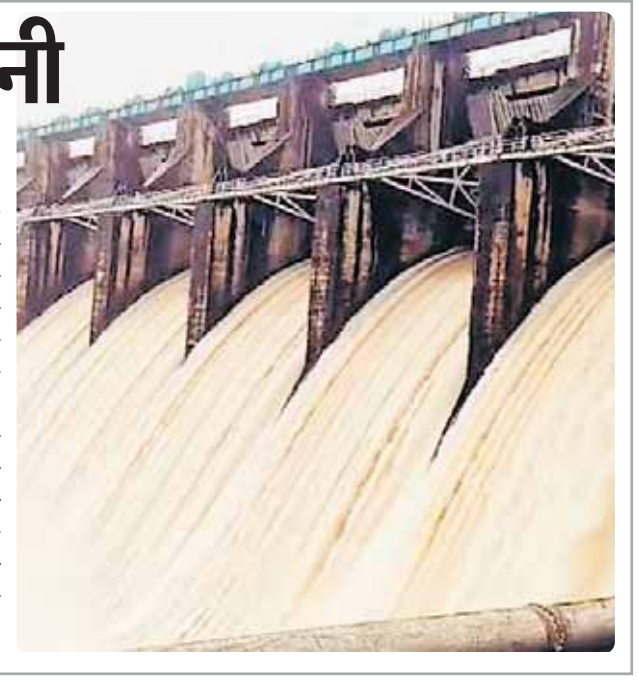

लुटेरों ने बिस्किट का घोल डाल कर उड़ाए रुपये

किसान के साथ फिर हुई 1 लाख की लूट

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी लूट की घटनाओं में इजाफा होता जा रहा है। पुलिस को सिर्फ सीसीटीवी फुटेज देखना ही हाथ लगता है और चोर उचक्के और बदमाश अपनी कलाकारी दिखाकर पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाते हैं। ऐसा ही एक मामला बीते रोज सामने आया। बैंक ऑफ़ इंडिया में अपने रुपए जमा करने गए किसान के ऊपर बिस्कुट का घोल डालकर 1 लाख रुपए से भरा बैग ले उड़े जब किसान ने लुटेरों का पीछा किया तो लूटेरा बैग और 80 हजार रुपए छोड़कर 20 हजार ले भागा। ग्राम भरलाय निवासी पीड़ित किसान संतोष कुमार निशानियां ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़ित किसान संतोष कुमार निसानिया उम्र 56 वर्ष निवासी ग्राम भरलाय ने थाना आकर बताया की वो सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया से 1 लाख रू निकालकर बैंक ऑफ इण्डिया में जमा करने गया था। जहाँ पर किसी ने मेरे कपड़ो पर गंदगी डाल दी। मै अपना पैसे का बैग नीचे रखकर अपने कपड़े साफ करने लगा। एक लड़का मेरा पैसे से भरा बैग लेकर भागा जिसका मैने पीछा किया तो लड़के ने मेरे बैग से कुछ रूपये निकालकर बाकी बचे पैसो सहित मेरा बैग फेंक दिया जो मुझे मिल गया है। मैने जब बैग में अपने पैसे की गिनती की तो केवल 80000 रूपये ही थे। उक्त अज्ञात लड़के द्वारा मेरे बैग से 20000 रूपये निकाल कर भागा है। उस व्यक्ति ने पीली रंग की टी शर्ट और काले रंग की लोवर पहना था।

लुटेरों का पीछा करने पर लुटेरे 80 हजार रुपए फेंककर भाग गए

गांवों में मुनादी कराकर नामांतरण के प्रकरण निराकृत करें

राजस्व महाअभियान में 30 लाख से अधिक प्रकरणों का निराकरण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने जिले के राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में वर्मा ने बताया कि प्रदेश में राजस्व महाअभियान के अंतर्गत 30 लाख राजस्व प्रकरणों का निराकरण कर आम जनता को राहत दी गई है। वहीं जिलों में स्थापित साईबर तहसीलों में 72 हजार प्रकरणों का निराकरण किया गया है। वर्मा ने कहा कि राजस्व अभियान के तहत शिविर लगाकर नामांतरण, बांटवार, सीमांकन, राजस्व अभिलेख दुरूस्तीकरण, नक्शा तरमीम के प्रकरण निराकृत किए जाए। सभी राजस्वअधिकारी राजस्व अभियान एवं राजस्व शिविर में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करें। जनप्रतिनिधियों का आवश्यक सहयोग लें। मंत्री ने कहा कि यदि गांव में किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो मुनादी कराकर एवं डोंडी पिटवाकर नामांतरण के बारे में अवगत कराया जाए। नामांतरणके प्रकरण निराकृत करें।

समीक्षा बैठक में नर्मदापुरम के विधायक डॉ सीता सरन शर्मा, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, सिवनीमालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा, नगर पालिका नर्मदापुरम की अध्यक्ष नीतू यादव, माधवदास अग्रवाल, सुधीर पटेल, पियूष शर्मा सहित अन्य जनप्रतिगण उपस्थित रहें। बैठक से पूर्व कलेक्टर सोनिया मीना ने मंत्री का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

समीक्षा बैठक में मंत्री ने बताया कि जिले में 95 प्रतिशत नक्शा दुरूस्तीकरण का कार्य हुआ है जो कि सराहनीय है। उन्होने कहा कि नामांतरण के, वसीयतनामें के प्रकरण पूरी संवेदनशीलता के साथ निराकृत किए जाए। उन्होने सभी राजस्व अधिकारियों को संवेदनशीलता एवं तत्परता से राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में करने के निर्देश दिए और कहा कि राजस्व कार्य में अनावश्यक समय लेंने एवं हिलाहवाला करने वाले राजस्व अधिकारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होने 1 प्रकरण में दीवार गिरने से व्यक्ति को हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए राहत राशि देने के निर्देश दिए।

वर्मा ने कलेक्टर को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि सभी तहसीलदार विधायकगणों एवं जनप्रतिनिधियों का सम्मान करें। आम जनता के साथ शिष्टाचार का व्यवहार करें। जो तहसीलदार अच्छा कार्य नहीं कर रहें है उनके अधिकार सीमित कर दिए जाएंगे। उन्होने कहा कि राजस्व अधिकारी ऐसा काम करें कि राजस्व विभाग का नाम सम्मान के साथ लिया जाए। उन्होने सभी राजस्व अधिकारियों को प्रोटोकाल का पालन करने के निर्देश दिए है। वर्मा ने कहा है कि जिले में राजस्व महा अभियान 2.0 के तहत प्राप्त सभी प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत किए जाए।नर्मदापुरम विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने बताया कि पूर्व में होशंगाबाद तहसील में इटारसी आती थी लेकिन अब अलग हो चुकी है। अभी भी पुराने प्रकरण में अनुमति लेनी होती है। उन्होने धारा 115 एवं 116 की पेचेदगी से राजस्व मंत्री को अवगत कराया। सोहागपुर विधायक श्री विजय पाल सिंह ने चकबंदी बंदोबस्त पेटर्न, एवं सर्वेयर की नियुक्ति से जनप्रतिनिधियों को अवगत न कराने की बात कही। सिवनीमालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा ने डंगरवाडियों को पट्टे प्रदान करने एवं डंगरवाडी में ओला वृष्टि से हुए नुकशान का मुआवजा देने एवं पटवारियों को सप्ताह में 2 दिन हल्के में रहने के निर्देश देने की बात कही। नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेन्द्र यादव ने वार्ड क्रमांक 27, 32, 13 , 15 में आवासीय पट्टे नहीं मिलने की बात कही।

एफपीओ योजना किसानों के लिए लाभदायक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य को नाबार्ड बैंक की जिला प्रबंधक श्रीमती जसप्रीत कौर ने सौजन्य भेंट कर नाबार्ड के माध्यम से किसानो को उद्यानिकी फसलों व डेयरी प्रबंधको की ओर अग्रसर करने हेतु जिले में किए जा रहे प्रयासो से अवगत कराते हुए उन्होंने एफपीओ योजना की कार्यप्रणाली, आगामी श्बिजनेस प्लान, सदस्यों की संख्या बढ़ाने, विभिन्न ऑनलाइन माध्यमो से मार्केटिंग करना, उत्पाद की ब्रांडिंग करना, नवाचार करना तथा शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ लेना आदि विषयों पर चर्चा कर सुझाव प्राप्त किए गए।

मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना की सोशल मीडिया पर दी जा रही भ्रामक जानकारी : राजपूत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद के संबंध में सोशल मीडिया पर दी जा रही भ्रामक एवं असत्य जानकारी के संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला बाल संरक्षण अधिकारी भरत सिंह राजपूत ने बताया कि सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के संबंध में माता-पिता या दोनो में से किसी एक की मृत्यु पर योजना से लाभांवित किये जाने हेतु भ्रामक जानकारी प्रसारित की जा रही है, जो कि पूर्णतः असत्य है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास भरत सिंह राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना अंतर्गत पात्रता की श्रेणी में वे बच्चे सम्मिलित हैं, जो मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी हो एवं 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चें जिनके माता-पिता दोनों की मृत्यु हो चुकी है, और वे रिश्तेदार अथवा संरक्षक की देखरेख में रह रहे हों। मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना में आवेदन करने हेतु हितग्राही को अपने क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से संपर्क कर क्षेत्रीय परियोजना अधिकारी कार्यालय महिला एवं बाल विकास परियोजना में जाकर आवेदन पत्र के साथ मलभूत दस्तावेज (माता-पिता दोनों का मृत्यु प्रमाण पत्र, बालक का जन्म प्रमाण पत्र, अंकसूची, आधार कार्ड, संरक्षक का आधार कार्ड एवं आय प्रमाण पत्र) संलग्न करना अनिवार्य है। योजना अंतर्गत पात्र पाये गये प्रत्येक बच्चे को 04 हजार रूपये प्रतिमाह की राशि प्रदाय की जाएगी।

राजस्व अधिकारी ऐसे कार्य करें कि समीक्षा की जरूरत ना पड़ेः कलेक्टर

टारगेट पूरा नहीं करने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने शुक्रवार को राजस्व कार्यो की गहन समीक्षा की। कलेक्टेउट्र के बेतवाा सभागार में आयोजित इस बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर समेत संयुक्त कलेक्टर, समस्त एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार व भू-अभिलेख अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री वैद्य ने राजस्व अधिकारियों के कार्यो की समीक्षा बैठक में कहा कि राजस्व अधिकारी ऐसे कार्य करें कि संवीक्षा की जरूरत ना पडें। उन्होंने राजस् महा अभियान की निहित बिन्दुओ के क्रियान्वयन संबंध में विशेष बल देते हुए कहा कि राजस्व अधिकारियों की पहचान इस अभियान के शत प्रतिशत लक्ष्यों की पूर्ति नियत अवधि में कराने से होगी। उन्होंने राजस्व न्यायालयीन प्रकरणो की समीक्षा के दौरान सम्पूर्ण रिकार्ड अपडेट रखने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री वैद्य ने सीएम हेल्पलाइन के आवेदनो के निराकरण मामलो में पहली बार राजस्व व जिला ए ग्रेड सूची में शामिल होने पर उन्होंने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह गति बनाए रखे। राजस्व संबंधी प्रकरणो के निराकरण में ओर तेजी लाएं ताकि जिला प्रदेश में अव्वल हो सके।

भूमि स्वामियों का ई-केवायसी 31 अगस्त तक पूरा कराना होगा

कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि वर्षाकाल को ध्यानगत रखते हुए अति जलभराव क्षेत्रो मं किसी भी प्रकार का नुकसान ना हो इसके लिए पूर्व में प्रबंध सुनिश्चित किए गए है और उनका क्रियान्वयन आवश्यकता के अनुसार अविलम्ब हो। वर्षाकाल के दौरान आवश्यक दवाईयां सहित अन्य प्रबंध पर भी उन्होंने विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री वैद्य ने आरबीसी 6(4) के प्रकरणो से संबंधित राशि पीड़ितो को शीघ्र मिले इसके लिए मांग पत्र समय पर जिला कार्यालय को उपलब्ध कराएं वहीं पूर्व प्राप्त की गई राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा कराएं ताकि राजस्व कार्यालय को प्रेषित किया जा सकें। कलेक्टर श्री वैद्य ने सभी राजस्व अधिकारियों खासकर एसडीएमो से कहा है कि सीमांकन संबंधी प्रकरणो का शीघ्रतिशीघ्र हर स्तर पर निराकरण कराना सुनिश्चित करें। समय पर उक्त कार्य ना होने के कारण आवेदक सीएम हेल्पलाइन प्लेटफार्म पर शिकायते दर्ज करने लगते है अतः ऐसी स्थिति कहीं भी निर्मित ना हो का विशेष ध्यान रखें। राजस्व बैठक में सीएम हेल्पलाइन (सामान्य प्रशासन, राजस्व) पीएम किसान, जायद गिरदावरी, स्वामित्व योजना, सीमांकन प्रकरण, भू-अर्जन की प्राप्त शिकायतों की गहन समीक्षा कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में की गई है।

मेट्रो एंकर | **कर्मचारियों के हित में वर्मा ने किया दो-दो बार आमरण अनशनःरावत**

'कर्मचारियों का इस्तेमाल करके आपस में लड़वाते हैं और चले जाते हैं अधिकारी'

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नपा के सहायक राजस्व निरीक्षक कर्मचारी ओमप्रकाश रावत (ओपी) का सेवानिवृत्त सम्मान समारोह कार्यक्रम नगरपालिका के विधुत विभाग व नेहरू पार्क के कर्मचारियों के द्वारा आयोजित कर उनको ससम्मान विदाई दी गई. अपने उद्बबोधन में रावत ने बताया कि नगरपालिका में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी में 25 वर्ष का कार्यकाल व्यतीत किया है. आज भी दैनिक वेतनभोगी व विनियमित कर्मचारी नगरपालिका में 25 से लेकर 30 वर्ष तक लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं. मजदूर संघ के प्रयास से 125 पद वर्ष 1996 की परिषद ने शासन से स्वीकृत कराये थे. वर्ष 2009 में कोर्ट के आदेश पर लगभग 150 कर्मचारियों को नियमितीकरण का लाभ व पदोन्नति दी गई. यह सब कर्मचारियों के सहयोग व संगठन शक्ति के कारण संभव हो सका. दैनिक वेतनभोगी में 25 वर्ष नियमित कर्मचारी 37 वर्ष इस तरह नगरपालिका में 45 वर्षो तक लगातार अपनी सेवाएं दी हैं।

आगे रावत ने बताया मध्यप्रदेश शासन के द्वारा वर्ष 1988 के बाद भर्ती दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई थी उनको वापस नौकरी में लाने के लिए नियमितीकरण कि कार्यवाही के लिए कर्मचारियों के हित में महेश वर्मा के द्वारा दो- दो बार आमरण अनशन किया गया. अन्य मजदूर संघ के पदाधिकारियों के द्वारा मुंडन, धरना प्रदर्शन, जेल भरो आंदोलन, माननीय न्यायालय में नियमितीकरण कि कार्यवाही को लेकर प्रकरण दर्ज किये गये जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2009 व उसके बाद भी नियमितीकरण का लाभ कर्मचारियों को मिलना संभव हो सका. आज कर्मचारी संगठन की शक्ति नहीं पहचानते। तन मन धन और विश्वास के साथ कर्मचारी मजदूर संघ से जुड़े उसकी कमजोरी नहीं ताकत बने तो नियमितीकरण का इतिहास पुनः दोहराया जा सकता है. अधिकारी कर्मचारियों का इस्तेमाल करते हैं आपस मे लड़वाते हैं। स्थानांतरण के बाद चले जाते हैं आप अपने साथ बच्चों के भविष्य के बारे में ध्यान दें। कार्यक्रम का संचालन मनोहर सराठे के द्वारा किया गया रजक समाज के अध्यक्ष महेश बाथरे ने कहा कि ऐसा संगठन और पदाधिकारियों का मिलना असंभव है जिनके द्वारा वर्ष 2009 में 150 कर्मचारियों को नियमितीकरण का लाभ व वर्ष 2017 में विनियमितिकरण का लाभ दिलवाया गया इसके बाद भी कर्मचारी संगठन की शक्ति से अनभिज्ञ हैं जो उचित नहीं है।

शिक्षाविद् पूर्व प्राचार्य को बधाई देने पहुंचे गणमान्य

अवतरण दिवस पर शिक्षाविद अकरम खान को घर जाकर दी शुभकामनाएं

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने वाले पूर्व प्राचार्य मोहम्मद अकरम खान नर्मदापुरम जिले के उन शिक्षा सेवा कर्मियों में गिने जाते हैं जिन्होंने त्याग और समर्पण को जीवन का माध्यम बनाकर शिक्षा को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने का श्रमसाध्य कार्य किया है। यद्यपि वह सेवानिवृत हो चुके हैं लेकिन सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में आज भी उनकी अभिरुचि दृष्टिगोचर होती रहती है. गत दिवस उनका जन्म दिवस था. आईटीआई रोड स्थित उनके निवास पर अनेक गणमान्य उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित करने पहुंचे।

मानव समाज को एकता के सूत्र में बांधने वाली समाजसेवी संस्था सामाजिक समरसता राष्ट्रीय विचार मंच द्वारा मोहम्मद अकरम के जन्म दिवस पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि मोहम्मद अकरम ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में ही अपने जीवन का समर्पण कर महान योगदान की श्रृंखला को प्रसारित किया है बल्कि मानवता के उत्थान के क्षेत्र में सामाजिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए और उसे अपने अंतःकरण का गहना बनाकर मानव जीवन को श्रृंगारित कर जो धन्य-धन्य महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं वह अनुकरणीय है।

सम्राट अशोक सागर बांध के दो गेट खोले गए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

हलाली डैम लेवल 458.80 मीटर एवं 80 प्रतिशत भराव हो गया है। कार्यपालन यंत्री श्री रमेश चौहान ने बताया कि जल भराव नियंत्रित करने के लिए सम्राट अशोक सागर परियोजना बांध के कुल पांच में से दो गेट 0.50 मीटर हाईट तक खोले गए हैं, जिससे 70 क्यूमेक्स जल प्रवाहित किया जा रहा है।

कार्यपालन यंत्री चौहान ने बताया कि सम्राट अशोक सागर परियोजना बांध के जल भराव क्षमता को नियंत्रित करने हेतु आज मुख्य अभियंता चंबल बेतवा कछार भोपाल की उपस्थिति में बांध के जल द्वार क्रमांक तीन एवं जल द्वार क्रमांक चार को 0.50 मी तक खोला गया है। दोनों गेटों से 70 क्यूमेक्स पानी हलाली नदी में छोड़ा गया है। इसके पहले गेट खोलने की सूचनाओं भी संप्रेषित की गई थी तथा सायरन बजाकर गेट खोलने की कार्यवाही की गई।

कार्यपालन यंत्र श्री चौहान ने बताया कि बांध का जल स्तर 458.80 मी नियंत्रित किया जाएगा। वर्तमान में बांध का जल स्तर 458.80 मीटर एवं (क्षमता 260 मि. घन मी.) के स्थान पर जल भराव 75 प्रतिशत रखे जाने तक जल प्रवाह सतत जारी रहेगा। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान मुख्य अभियंता चंबल बेतवा कछार भोपाल आर डी अहिरवार, अनुविभागीय अधिकारी द्वय बीके बागुला, श्रीमती पूजा पटेल, प्रभारी उपयंत्री (बांध) केके खरे एवं प्रभारी उपयंत्री (गेट) उपस्थित रहे।

दिन भर रुक रुक कर होती रही बारिश, मौसम हुआ ठंडा

सिरोंज। एक बार फिर मौसम सक्रिय हुआ है 2 दिनों से नगर में हल्की बारिश का दौड़ चल रहा है। शुक्रवार को सुबह से ही हल्की बरसात होती रही इस वजह से गर्मियों में से भी लोगों को राहत मिल गई। कई ग्रामीण क्षेत्र में झमाझम बारिश होने से नदी नाले उफान पर आ रहे हैं इस तरह की बारिश शहर में होनी चाहिए पर नहीं होने से केथन डेम के जलस्तर में वृद्धि नहीं होने से वह खाली पड़ा हुआ है जब तक जोरदार बारिश शहर के आसपास नहीं होगी तब तक जलस्तर में वृद्धि नहीं होगी वही बारिश का दौर शुरू होने से किसानों ने जरूर राहत की सांस ली है। कई किसान पानी नहीं करने के कारण धन भी नहीं लग पा रहे थे।

विदिशा जिले की सामान्य औसत वर्षा 1075.50 मिमी है इस वर्ष जिले में इस वर्ष अब तक 596.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज हो चुकी है आज शुक्रवार को 11.7 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत ने बताया कि जिले की तहसीलो में स्थापित वर्षामापी यंत्रो पर शुक्रवार दो अगस्त की प्रातः आठ बजे दर्ज हुई वर्षा तदानुसार विदिशा में 54 मिमी, बासौदा 6.6 मिमी, कुरवाई में 8.4 मिमी, सिरोंज में एक मिमी, लटेरी में तीन मिमी, ग्यारसपुर में दो मिमी, गुलाबगंज में 20 मिमी, नटेरन में पांच मिमी, शमशाबाद में 10 मिमी तथा पठारी तहसील में सात मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

जिले की तहसीलो में अब तक दर्ज हुई वर्षा तदानुसार विदिशा में 718 मिमी, बासौदा में 423.2 मिमी, कुरवाई में 707.6 मिमी, सिरोंज में 446 मिमी, लटेरी में 669.5 मिमी, ग्यारसपुर में 489 मिमी, गुलाबगंज में 501 मिमी, नटेरन में 641 मिमी, शमशाबाद में 533.1 मिमी तथा पठारी तहसील में 834.3 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

सनातन धर्म और संस्कृति की रक्षा करने वाली है कावड़ यात्रा-विधायक शर्मा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

12 अगस्त को निकालने वाली कावड़ यात्रा की तैयारी को लेकर कावड़ यात्रा समिति के संरक्षण एवं विधायक उमाकांत शर्मा ने समिति की बैठक लेते हुए कहा कि ऐतिहासिक रूप से कावड़ यात्रा निकालती है सभी लोग तन मन धन से सहयोग करें यह कावड़ यात्रा धर्म और संस्कृति को बड़ावा देने वाली है। उन्होने कहा कि भगवान शिव संहार का प्रतीक है समुद्र मंथन के समय जब कालकूट विष निकला था उसे भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण कर लिया था उसी समय से भगवान शिव को हम नीलकंठ के नाम से भी जानते है सावन के पवित्र माह में हर तरफ शिव की पूजा अर्चना एवं कावड़ यात्रायें चल रही है। लेकिन दुःख तब होता है जब भगवान शिव का वाहन नंदी जिसकी चिंता हमारी समाज नहीं कर रही है इस पर भी हमें विचार करने की आवश्यकता है। वही उन्होने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में सनातन संस्कृति गौरंवित हुई है अयोध्या में राम मंदिर , उज्जैन में महाकाल मंदिर की स्थापना होना स्वयं में प्रसन्ता की अनुभूति कराता है पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा जी ने कावड़ यात्रा 2011 से प्रारंभ कराई थी वह ऐतिहासिक रूप से निकल रही है वह कहीं ना कहीं किसी न किसी रूप में हमारे साथ रहेंगे, वही शिवकुमार भार्गव, नपा अध्यक्ष मनमोहन साहू, नपा उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ, प्रशांत पालीवाल, राकेश पालीवाल, नरेन्द्र पाटीदार आदि मौजूद थे।

सावन को चौथे सोमवार को निकाली जायेंगी कावड़ यात्रा

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी कावड़ यात्रा समिति के द्वारा सावन के चौथे सोमवार को विशाल कावड़ यात्रा निकाली जानी है जिसकी तैयारियों एवं व्यवस्थाओ को संस्कार गार्डन - फेस 2 बैठक का आयोजित की गई ज्ञात हो कि पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के द्वारा वर्ष 2011 से इस यात्रा को प्रांरभ किया गया था वही यात्रा 12 अगस्त सावन माह के चौथे सोमवार को नागेश्वर शिव मंदिर पाटीदार धर्मशाला से प्रारंभ होकर मंडी गेट, मुख्य बाजार, बजरिया, चौराहा, नगरपालिका डाकघर जनपद कठाली बाजार, हाईस्कूल के सामने से होते हुए सिकंदरपुरा उड़न छतरी करीमाबाद मार्ग होते हुए आरोन रोड नसिंया जी के सामने से होते हुए देवपुर धाम के लिये प्रस्थान करेंगी ।

50 हजार का जुर्माना भी लगाया 3 दिन का दिया अल्टीमेटम, 5 करोड़ की जमीन पर कब्जा है

संस्कार ग्रीन वैली स्कूल के अतिक्रमण पर चलेगा बुलडोजर, तहसीलदार ने आदेश किया पारित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

लटेरी रोड पर स्थित संस्कार ग्रीन वैली स्कूल के द्वारा सरकार की लगभग 5 से 6 करोड की भूमि पर कई सालों से अवैध रूप से कब्जा करके जमीन को दबा लिया है पक्का निर्माण भी कर लिया है। हमारे संवाददाता के द्वारा अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण की खबर को भी लगातार प्रमुखता से प्रकाशित किया जा रहा है। वहीं स्कूल के अवैध अतिक्रमण की पोल एसडीएम हर्षल चौधरी के निर्देश पर जब आर आई और पटवारी के द्वारा संस्कार ग्रीन वैली स्कूल का विगत महीने सीमांकन किया था उसको बचाने के लिए स्कूल संचालक के द्वारा स्थानीय स्तर से लेकर जिले में दवा लगाकर सरकारी से कब्जा ना छोड़ना पड़े उसके लिए प्रयास किए शासन हित में धारा 248 के तहत तहसीलदार ने बेदखली का आदेश भी पारित कर दिया है। प्रशासन के द्वारा दबंग अतिक्रमण धारी पर कार्रवाई करने के लिए काफी दिनों समय लेने के बाद आदेश पारित किया गया है। स्कूल मलिक को तहसीलदार ने अवैध कब्जा हटाने के लिए तीन दिन का समय दिया है स्वयं हटा ले नहीं तो प्रशासन हटाने की कार्रवाई करेगा साथ ही 50000 का अर्थ दंड भी लगाया है।

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि राजस्व निरीक्षक एवं हल्का पटवारीयान के मध्य दल गठित कर अतिकमण की शिकायत पर सीमाकन कराया जिसमें राजस्व निरीक्षक ध् हल्का पटवारी करबा सिरोंज ने संहिता की धारा 248 के तहत करवा सिरोंज की भूमि सर्वे न0 251/2 रकबा 3.540 हे0 नोईयत शासकीय मे से अंश रकबा 0.280 हे0 का अनावेदक संस्कार ग्रीन बैली स्कूल लटेरी रोड सिरोंज संचालक निजाम खांन निवासी कस्बा सिरोंज का बाउड्रीबाल स्कूल, मुख्य भवन, गुम्बद, प्ले ग्राउड आदि बनाकर अतिक्रमण रिपोर्ट मय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

प्रकरण विधिवत पंजीबद्ध अपरान्त अनावेदक को नोटिस जारी किये बाद तामील जरिये अभिभाषक राधारमण भार्गव उपस्थित होकर जबाब एवं दस्तावेज प्रस्तुत किये गया, उपरान्त धारा 32 का आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसका आदेश पत्रिका दिनांक 13.05.2024 द्वारा निराकरण किया गया। प्रकरण में राजस्व निरीक्षक, कस्बा पटवारी के कथन अंकित कराये गये जिसका विद्धान अभिभाषक द्वारा प्रतिपरीक्षण किया गया। न्यायालय अपर कलेक्टर जिला विदिशा के प्रकरण कमांक 16/निगरानी/24-25 एवं प्रकरण कमांक 8/बी-121/24-5 गतिशील होने से प्रकरण में दिनांक 31.05.2024 को निगरानी व अन्य प्रकरण निरस्ती उपरान्त वापिस प्राप्त होकर दिनांक 30.07.2024 नियत की गई प्रकरण में अनावेदक जरिये अभिभाषक श्री मदनमोहन गुजराती पुनः नवीन अभिभाषक उपस्थित होकर अभिभाषक पत्र एवं आवेदन पत्र प्रस्तुत कर 15 दिवस का समय चाहा गया। प्रकरण अवलोकन हेतु दिनांक 01.08.2024 नियत किया गया। प्रकरण में अवलोकन उपरान्त पाया गया कि उक्त प्रकरण दिनांक 16.04.2024 से प्रचलित होकर गतिशील है, जिसमें अनावेदक द्वारा पर्याप्त समय मांगा गया न्यायहित में दिया गया। प्रकरण को अनावश्यक रूप से बिलम्ब करने के उददेश्य से एवं पुनः प्रकरण निगरानी निरस्त उपरान्त प्राप्त होने पर नया अभिभाषक उपस्थित होने से अनावेदक द्वारा जो समय चाहा गया वह प्रकरण में धारा 248 का होकर शासकीय हितनिहित होने से समय दिया जाना संभव नही हैं।

अब देखना है कि प्रशासन बुलडोजर चला पाएगा या नहीं ?

वहीं तहसीलदार संजय चौरसिया ने अपने आदेश में लिखा है राजस्व निरीक्षक हल्का पटवारी अतिक्रमण रिपोर्ट, कथन अनावेदक जबाब से सिद्ध होता है कस्बा सिरोंज की भूमि सर्वे नंम्बर 251/2 रकबा 3.540 हे में से रकबा 0.280 हे, शासकीय में अनावेदक संस्कार ग्रीन वैली स्कूल लटेरी रोड सिरोंज संचालक निजाम खांन निवासी कस्बा सिरोंज के द्वारा अतिक्रमण किया जाना पाया गया। धारा 248 के तहत कस्बा भूमि सर्वे नं. 251/2 रकबा 3.540 हे0 नोईयत शासकीय मे से अतिक्रमित रकबा 0.280 हे से अनावेदक संस्कार ग्रीन बैली स्कूल लटेरी रोड सिरोंज को वेदखली आदेश पारित किया है तथा पचास हजार रुपए का अर्थ दंड भी आरोपित किया जाता है। आवेदक शासकीय भूमि खाली कर पूर्व स्थिति में लाकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें, अन्यथा की स्थिति में विधि अनुसार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जावेगी जिसका व्यय अनावेदक से भू-राजस्व की भांति बसूल किया जावेगा। राजस्व निरीक्षक पटवारी अमल प्रतिवेदन 3 दिवस में प्रस्तुत करें। पालन प्रतिवेदन लिया जाए तहसीलदार न्यायालय के राजस्व प्रकरण कमांक 00 02/3-68/2024-25 में पारित आदेश दिनांक 01.08.2024 के द्वारा कस्बा सिरोंज स्थित को शासकीय भूमि खसरा नं0 251/2 रकबा 3.540 हे. में से अंशभाग रकबा 0.280 हे0 नोईयत शासकीय स्थान पर अनाधिकृत रूप से अतिक्रमण कर बाउड्रीबाल स्कूल, मुख्य भवन, गुम्बद, प्ले ग्राउड आदि बनाकर कर अतिक्रमण करने पर म.प्र. भू.रा. सहिता 1959 की धारा 248 के नवीन प्रावधान अनुसार कार्रवाई प्रस्तावित की है।

इनका कहना है

संस्कार ग्रीन वैली स्कूल के द्वारा शासन की भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण करके निर्माण कर लिया है तीन दिवस में हटाने का समय स्कूल प्रबंधन को दिया है। नहीं हटाएंगे तो शासन अपने संसाधनों से हटाने की कार्रवाई करेगा।

***संजय चौरसिया** तहसीलदार*

हाई कोर्ट के आदेश के विपरीत अतिथि शिक्षकों को बाहर करने का किया जा रहा है काम, कलेक्टर के नाम दिया गया ज्ञापन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शुक्रवार को अतिथि शिक्षक संघर्ष समिति ने 2 अगस्त प्रारंभ होने के बाद भी स्कूलों में अतिथि शिक्षक रखने के आदेश जारी नहीं होने तथा हाईकोर्ट के निर्देश के बाद भी कई अतिथियों को बाहर करने को लेकर अतिथि शिक्षकों ने कलेक्टर के नाम संबोधित ज्ञापन तहसील में देते हुए तत्काल अतिथि शिक्षकों को रखने की मांग की इससे पहले की जिला स्तरीय बैठक जटाशंकर धाम श्री राम जानकी मंदिर पर बैठक का आयोजन हुई जिसमें जिला अध्यक्ष कुशवाहा ने कहा अतिथि शिक्षक विगत 15 वर्षों से सेवाए देते आ रहे हैं। इस वर्ष अभी तक स्कूल में नहीं रखा है और बिना डी ई ओ और वी ई ओ वाले और 30 प्रतिशत से कम रिजल्ट वाले शिक्षकों को बाहर किया जा रहा है। प्रमोशन और ट्रांसफर से अतिथियों को बाहर किया जा रहा हैं। जबकि हाई कोर्ट का आदेश है की पूर्व से कार्यरत अतिथि शिक्षकों को रखा जाए 2 सितंबर 2023 को पूर्व मुख्यमंत्री षिवराज सिह चौहान के द्वारा आयोजित महापंचायत में की गई घोषणाओं का आज तक कोई आदेश नहीं आया है, आज सेकेंडो की संख्या में तहसीलदार महोदय को माननीय कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा और साथ ही क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा को भी ज्ञापन सौंपा गया। जिला अध्यक्ष राकेश कुशवाह ने बताया की हर वर्ष की भांति लोक शिक्षण संचालनालय से जो आदेश आया है उसमें पूर्व कार्यरत अतिथि शिक्षकों को रखने का आदेश दिया है लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी विदिशा महोदय द्वारा बिना डीएड और बीएड का हवाला देकर पूर्व से कार्यरत अतिथि शिक्षकों को बाहर करने का कार्य किया जा रहा है।

विधायक शर्मा की शिकायत पर कलेक्टर ने किया जांच दल गठित

सिरोंज। विधायक उमाकांत शर्मा की शिकायत पर कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने लटेरी तहसील के अंतर्गत आने वाले लटेरी नजीराबाद मुंडेला ब्रिज की जांच हेतु दल गठित करने के आदेश जारी कर दिया है। गौरतलब हो कि सिरोंज विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में विधायक श्री शर्मा ने उक्त शिकायत दर्ज कराई थी।

कलेक्टर वैद्य द्वारा गठित चार सदस्यीय जांच दल में लटेरी एसडीएम श्रीमती अनुभा जैन एवं तीन कार्यपालन यंत्री क्रमशः आरईएस राजेन्द्र गजभिये, पीडब्ल्यूडी के बीएस राजपूत तथा पीडब्ल्यूडी ब्रिज के कार्यपालन यंत्री जावेद शकील शामिल हैं। गठित दल जांच उपरांत कार्रवाई कर प्रतिवेदन जिला कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे।

जल संग्रहण स्थलों पर डूब की घटनाओं से जन सामान्य के बचाव हेतु दिशा-निर्देश जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा जिले में जल संग्रहण स्थलों पर डूब की घटनाओं से जन सामान्य के बचाव हेतु राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गृह विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अपर कलेक्टर एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सह मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल कुमार डामोर ने राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए बताया कि जल संग्रहण क्षेत्र में डूब की घटनाओं की रोकथाम हेतु आवश्यक कदम उठाए जाने हेतु सुझाव दिए गए हैं जो इस प्रकार हैं -

जिले के समस्त डैम, तालाब, झील, खनन द्वारा रिक्त हुए तालाबनुमा संरचना तथा अन्य जल संग्रहण क्षेत्रों के निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करना। यदि आवश्यक हो तो मानसून के दौरान ऐसी जगहों को प्रतिबंधित घोषित किया जाकर, प्रतिबंधित नहीं मानने वाले लोगों पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करना। ऐसे महत्वपूर्ण दुर्घटना वाले स्थलों पर लाइफगार्ड, बचावकर्मी की तैनाती सुनिश्चित की जाए। इस कार्य हेतु स्थानीय स्तर पर उपलब्ध गोताखोर, तैराक आदि की सहायता भी नियमानुसार ली जाए। एसडीईआरएफ द्वारा स्थापित डिजास्टर रिस्पांस सेंटर तथा प्रमुख डैम पर स्थित डेम ऑब्जरवेशन पोस्ट में डूब से बचाव हेतु आवश्यक मानव संसाधन तथा उपकरण रखे जाएं। खनन द्वारा निर्मित गड्ढों आदि को फेंसिंग आदि के माध्यम से सुरक्षित किया जाकर इन जगहों पर चेतावनी बोर्ड लगाये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। फ्लेस फ्लूड के दौरान जिले के विभिन्न पुलिया, कल्वर्ट, रपटा आदि पर पानी होने के दौरान किसी भी वाहन अधवा व्यक्ति को इसे पार करने हेतु प्रतिबंधित करने के लिए चेतावनी बोर्ड तथा बैरियर के साथ ही निगरानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के नवीन प्रावधानों से हुए अवगत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय न्याय संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के संबंध में जारी नवीन कानूनी प्रावधानो से आज राजस्व अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित उक्त प्रशिक्षण कार्यशाला में कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने कहा कि नवीन कानूनो का बारीकी से अध्ययन कर क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने पूर्व के कानून और उनमें हुए संशोधन उपरांत किए गए नवीन प्रावधानो से राजस्व अधिकारी बखूबी अवगत होकर क्रियान्वयन कराएं ताकि संवैधानिक मंशा के अनुसार क्रियान्वयन शत प्रतिशत विशुद्ध हो।

उन्होंने नवीन कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के मुख्य उद्धेश्यो पर गहन प्रकाश डाला साथ ही नवीन संशोधित दायित्वों पर भी विस्तारपूर्वक जानकारियां दी गई। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने नवीन संशोधित कानूनो के तहत पुलिस को किन नए प्रावधानो के तहत कार्यवाही की जानी है और उसके लिए क्या प्रावधान किए गए है। क्या अवधि है कैसे करना है क्या अधिकार दिए गए है। किन की अनुमति से दायित्वों का क्रियान्वयन किया जाएगा के अलावा तलाशी जप्ती की वीडियो रिकार्डिंग, अपराध द्वारा प्राप्त सम्पत्ति के संबंध में कार्यवाही, पुलिस का निवारक कार्य पुरानी 149 से 151 सीपीआरसी में किए गए संशोधन, लोक सेवको, विशेषज्ञो, पुलिस अधिकारियें के साक्ष्य संकलित करने की प्रक्रिया उद्घोषित अपराधी की अनुपस्थिति में जांच विचारण और निर्णय के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में सम्मिलित नवीन खण्ड के संबंध में पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने बताया कि साक्षी संरक्षण स्कीम, दया याचिका, इलेक्ट्रानिक पद्धति में विचारण और कार्यवाहियां, स्पष्टीकरण एवं संशोधित प्रावधान, उपखण्ड परंतुक, स्पष्टीकरण एवं संशोधित प्रावधान, दण्डादेश जो मजिस्ट्रेट दे सकेंगे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राजधानी परियोजना खण्ड क्रमांक-2 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल

ई मेल eephedcp2bpl@mp.gov.in

क्रमांक 33,34,35,36,37,38,39,40 / का.यं/ रा.परि. खंड-2/ लोस्वायंवि — दिनांक 29/07/2024

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्य की निविदा ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई- प्रोक्योरमेंट पोर्टल http:mptenders.gov.in पर आमंत्रित है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्र	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (रू. लाख में)	धरोहर राशि (रूपये)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2024-PHED_360396	De silting and cleaning of manholes and sewer lines constructed under BWL project at Section 3 under Patra SPH Bhopal	6,32,531=00	12,651=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
2	2024-PHED_360397	Repainring of damaged manhole chamber with cleaning of manholes and sewer line at E-1, Arera colony, Section no-1 Network Area, Bhopal	5,39,295=00	10,786=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
3	2024-PHED_360398	Reconstruction of fully damaged manhole chambers i/c de-silting and cleaning of manholes and sewer line constructed under ADB project at Section-2of Sub Div.5, Bhopal	5,99,611=00	11,992=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
4	2024-PHED_360399	Cleaning and de silting work of Divirsion Structure chambers and Diversion Structure Nallah under Sub Div. No. 06 Banganga Bhopal	6,15,797=00	12,316=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
5	2024-PHED_360400	Cleaning and de-silting of manholes and sewer line including repairing of damaged manhole chambers of govt block No. 100 -105 Shivaji Nagar Sewage Network Area, Bhopal	6,98,641=00	13,973=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
6	2024-PHED_360401	Reconstruction of fully damaged manhole chambers i/c de-siltiong and cleaning of manholes and sewer line constructed under ADB Projectg at Sajida Nagar Network of Sub Div. 6, Bhopal	5,99,636=00	11,993=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
7	2024-PHED_360402	De silting of Primary pond No.2 including making connections of drain or sewer line. repairing of damaged drain pipe at Sahapura Oxidation pond Bhopal	8,68,550=00	17,371=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
8	2024-PHED_360403	Cleaning of weeds from facultative pond No.3 i/c cleaning of grass and surface dressing work at Kotra Sewage Treatment Plant Compus, Bhopal	7,41,542=00	14,831=00	2,000=00	30 Days Including rainy season

1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. निविदा संशोधन केवल वेबसाइट पर ही दर्शाया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। 3. निविदा क्रय करने की अंतिम तिथि 13/08/2024 है।

G-14326/24

कार्यपालन यंत्री,
राजधानी परियोजना खण्ड क्र-2
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल

पेरिस ओलिंपिकः आज लगातार तीसरे मेडल पर मनु का निशाना

आर्चरी में दीपिका और भजन मेडल इवेंट में खेलेंगी; निशांत का क्वार्टर फाइनल भी होगा

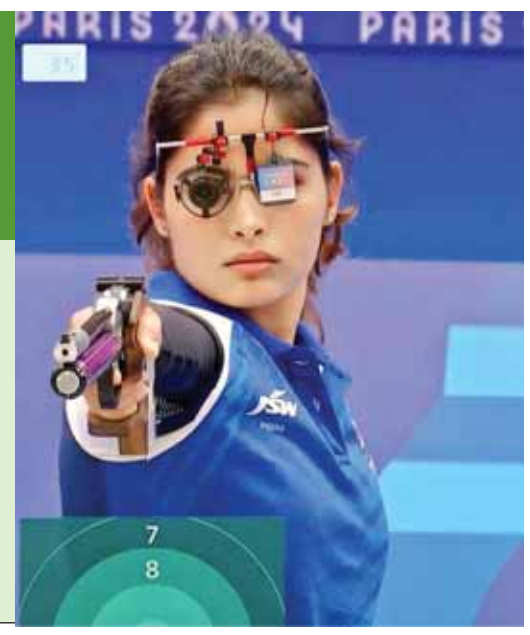

पेरिस. एजेंसी

पेरिस ओलिंपिक में भारत को 2 मेडल दिला चुकी स्टार शूटर मनु भाकर आज तीसरे मेडल जीतने के लिए निशाना साधेंगी। वे शनिवार को दोपहर एक बजे से 25 मीटर पिस्टल इवेंट में हिस्सा लेंगी। 22 साल की मनु 10 मीटर पिस्टल और 10 मीटर पिस्टल मिक्स्ड इवेंट में एक-एक ब्रॉन्ज जीत चुकी हैं। यदि मनु आज मेडल जीत लेती हैं, तो एक ओलिंपिक गेम्स में 3 मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बन जाएंगी। पेरिस ओलिंपिक के 8वें दिन मनु के अलावा, अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी, भजन कौर और मुक्केबाज निशांत देव भी भारतीय चुनौती पेश करेंगे। मनु भाकर 25 मीटर विमेंस पिस्टल इवेंट के फाइनल में हिस्सा लेंगी। आर्चरी की विमेंस इंडिविजुअल कैटेगरी में दीपिका कुमारी और भजन कौर राउंड ऑफ-16 मैच खेलेंगी।

भारत के मुख्य मैच...

शूटिंग - लगातार तीसरे इवेंट का मेडल इवेंट खेलेंगी मनु शूटर मनु भाकर आज तीसरे मेडल इवेंट में उतरेंगी। उन्होंने दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया है। यदि मनु भाकर पदक जीत लेती हैं, तो भारतीय खेलों के इतिहास में एक ओलिंपिक गेम्स में तीन मेडल जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएंगी।

तीरंदाजी- दिग्गज दीपिका कुमारी के पास ओलिंपिक मेडल जीतने का आखिरी मौका भारत की अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी के पास आज ओलिंपिक मेडल जीतने का आखिरी मौका हो सकता है। वे और भजन कौर विमेंस इंडिविजुअल कैटेगरी में हिस्सा लेंगी। बता दें कि दीपिका, भजन और अंकिता की तिकड़ी वाली भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल मैच हार गई थी। दीपिका का राउंड ऑफ-16 मैच जर्मनी की मिशेले क्रोपेन से होगा, जबकि भजन कौर इंडोनेशिया की चोइरूनिसा डियांडा से मैच खेलेंगी।

बॉक्सिंग - मेडल से एक जीत दूर निशांत निशांत देव पुरुषों की वेल्टरवेट कैटेगरी का क्वार्टर फाइनल मैच खेलेंगे। उनका मुकाबला मैक्सिको के मार्को वेरडे से होगा। यह मैच रात 12:18 बजे खेला जाएगा।

असलंका ने लगातार 2 विकेट लेकर मैच टाई कराया

रोहित बतौर कप्तान सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज

कोलंबो, एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज का पहला मैच टाई हो गया। अब वनडे सीरीज के नतीजे के लिए बाकी 2 मैच जरूरी हो गया। दूसरा वनडे 4 अगस्त को कोलंबो में ही खेला जाएगा। भारत ने टी-20 सीरीज 3-0 से जीती थी। रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 8 विकेट के नुकसान पर 230 रन बनाए। भारत 47.5 ओवर में 230 रन ही बना सका। टीम को 15 बॉल पर 1 रन चाहिए था, भारत के 2 विकेट बाकी थे। यहां श्रीलंका के कप्तान चरिथ असलंका ने लगातार 2 विकेट लिए और भारत को 230 रन पर ही समेट दिया।

दुबे ने वनडे करियर का पहला विकेट लिया

भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने कुसल मेंडिस को आउट करके अपने करियर का पहला विकेट लिया। 13वें ओवर की पहली बॉल पर कुसल ने डिफेंस करने की कोशिश की। बॉल हल्का सा बाहर की ओर निकली। यहां कुसल आउट हुए। उन्होंने 14 रन की पारी खेली।

अंपायर का लेट डिसिजन

श्रीलंकाई पारी के 35वें ओवर में अक्षर बॉलिंग कर रहे थे। ओवर की दूसरी बॉल पर जनिथ लियानगे आगे बढ़ें और बड़ा शॉट खेलना चाहा। यहां बल्ले के बहुत करीब से बॉल निकली। भारतीय फील्डर्स ने अपील की और लियानगे बिना अंपायर के डिसिजन के पवेलियन की तरफ लौटने लगे। आखिर में अंपायर ने आउट दिया।

काली पट्टी बांधकर उतरे

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और टीम इंडिया के हेड कोच रहे अंशुमान गायकवाड का 71 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से ब्लड कैंसर से पीड़ित थे। जिस वजह से आज सभी भारतीय प्लेयर्स काली पट्टी बांधकर मैच खेलने उतरे थे।

बतौर कप्तान इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा सिक्स

किसी टाईड गेम में सबसे ज्यादा रन (इनिंग के हिसाब से) इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी टाईड गेम में किसी प्लेयर के द्वारा सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर आ गए हैं। पहले नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के डीन जोंस हैं जिनके 5 इनिंग में 328 रन हैं। वहीं रोहित के 6 इनिंग में 302 रन हैं। किसी भी कप्तान द्वारा इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने के मामले में रोहित शर्मा ने इयोन मॉर्गन को पछाड़ा हैं। अब उनके 234 सिक्स हो गए हैं, जबकि मॉर्गन के 233 सिक्स हैं। वहीं तीसरे नंबर पर पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी हैं।

शटलर लक्ष्य ओलिंपिक मेडल से एक जीत दूर

सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने

पेरिस. एजेंसी

पेरिस ओलिंपिक का 7वां दिन भारत के लिए मिला-जुला रहा। शुक्रवार को लक्ष्य सेन बैडमिंटन की मेंस सिंगल्स कैटेगरी के सेमीफाइनल में पहुंच गए। वे ओलिंपिक खेलों के इतिहास में इस कैटेगरी के टॉप-4 में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने हैं। हॉकी में भारतीय टीम ने ओलिंपिक में ऑस्ट्रेलिया को 52 साल बाद हराया। भारत को ऑस्ट्रेलिया पर आखिरी बार जीत 1972 में मिली थी। इतना ही नहीं, शूटर मनु भाकर लगातार तीसरे इवेंट के मेडल राउंड में पहुंच गई। हालांकि अंकिता और धीरज की मिक्स्ड आर्चरी टीम मेडल जीतते-जीतते रह गई। लक्ष्य ने मेंस सिंगल्स कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल मैच में चीनी ताइपे के चाउ टीएन चेन को 19-21, 21-15 और 21-12 से हराया। साथ ही भारतीय हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया पर 3-2 की रोमांचक जीत भी हासिल की। कप्तान हरमनप्रीत ने 2 गोल किए। एक गोल अभिषेक ने दागा। क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला 4 अगस्त को ग्रेट ब्रिटेन से होगा। दूसरी ओर, स्टार शूटर मनु भाकर 25 मीटर विमेंस पिस्टल इवेंट के फाइनल में पहुंचीं। वे 590 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। इधर, तीरंदाज अंकिता भकत और धीरज की भारतीय टीम मिक्स्ड कैटेगरी का ब्रॉन्ज मेडल मैच हार गई है। भारतीय जोड़ी को अमेरिका ने 6-2 से हराया।

टेनिस : जोकोविच मेंस सिंगल्स के फाइनल में, अल्कारेज से मुकाबला

सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच टेनिस के मेंस सिंगल्स इवेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं, जहां उनका सामना स्पेन के कार्लोस अल्कारेज से होगा।

एथलेटिक्स : शॉटपुटर तेजिंदरपाल सिंह तूर फाइनल से चूके

भारतीय शॉटपुटर तेजिंदरपाल सिंह तूर एथलेटिक्स के मेंस शॉटपुट इवेंट के फाइनल में जगह नहीं बना सके हैं। उन्होंने क्वालिफिकेशन इवेंट के पहले प्रयास 18.05 मीटर का स्कोर किया। बाकी के दोनों प्रयास रेफरी ने फाउल करार दिए।

एथलेटिक्स: पारुल चौधरी, अंकिता ध्यानी फाइनल में चूकीं

भारतीय धावक पारुल चौधरी और अंकिता ध्यानी महिलाओं की 5000 मीटर रेस के पहले राउंड से बाहर हो गईं। पारुल हीट 2 में 14वें और ओवरऑल 24वें स्थान पर रहीं। जबकि अंकिता हीट-1 में 20वां और ओवरऑल 40वां स्थान हासिल किया। हीट से केवल शीर्ष आठ धावक ही फाइनल में पहुंचते हैं, इसलिए पारुल और अंकिता मेडल रेस से बाहर हो गईं। पारुल ने अपना सीजन बेस्ट 15:10.68 का समय दर्ज किया। अंकिता ने 16:19.38 मिनट में रेस पूरी की।

बैडमिंटन : लक्ष्य ने लगातार दूसरा गेम जीता, मैच भी जीता

लक्ष्य ने बैडमिंटन की मेंस सिंगल्स कैटेगरी का क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीत लिया है। उन्होंने आखिरी गेम 21-12 से जीतते हुए मैच 2-1 से अपने नाम किया। लक्ष्य ने दूसरे गेम में 21-15 की जीत हासिल की थी। वे पहला गेम 19-21 से हार गए थे।

मेट्रो बाजार

बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में 6 माह में आएंगी बंपर नौकरियां

नईदिल्ली, एजेंसी

बीएफएसआइ सेक्टर यानी बैंकिंग-फाइनेंस और इंश्योरेंस के साथ फिनटेक सेक्टर में नौकरियों की बौछार होने की उम्मीद है। कंसल्टिंग फर्म टीमलीज सर्विसेज की रिपोर्ट के मुताबिक 65 फीसदी नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियां एनबीएफसी और 60 फीसदी बैंक वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लिए आक्रामक तरीके से हायरिंग करने की तैयारी में हैं। वहीं इंश्योरेंस सेक्टर की 56 फीसदी और फिनटेक क्षेत्र की 57 फीसदी कंपनियां हायरिंग करने का तैयारी में हैं।

टीमलीज की रिपोर्ट क मुताबिक, बैंक वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में अब तक बीएफएसआइ सेक्टर में जबरदस्त हायिरंग हुई है। यही वजह ही मौजूदा वित्त वर्ष में बैंकिंग क्षेत्र में रोजगार बढ़ने की दर 7.21 फीसदी रही, जबकि एनबीएफसी में नौकिरयां 5.41 फीसदी तो इंश्योरेंस सेक्टर में रोजगार 5.25 फीसदी और फिनटेक सेक्टर मे जॉब्स 4.89 फीसदी बढ़े। इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन (आइबीपीएस) ने बैंक पीओ के परीक्षा अक्टूबर महीने में होगी। वहीं, मेन्स परीक्षा नवंबर में कराई जा सकती है। आवेदन करने के लिए कैंडिडेट्स के पास किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। प्रोफेशनल्स और तकनीशियन ले रहे जगहआरबीआइ शक्तिकांत दास ने कहा वर्ष 2013 से

4455 पदों पर भर्तियां के लिए नोटिफिकेशन किया है। इन पदों के लिए आवेदन की 1 अगस्त से शुरू हो गई है। उम्मीदवार आइबीपीएस की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर 21 अगस्त 2024 तक आवेदन कर सकते हैं। इस वैकेंसी के लिए प्रीलिम्स

2019 तक के ग्लोबल ट्रेंड के मुताबिक फाइनेंशियल सेक्टर में सहायक भूमिकाओं क्लर्क की संख्या में कमी आई है, जबकि प्रोफेशनल्स और तकनीशियनों की संख्या में वृद्धि हुई। यह ट्रेंड भारत में भी साफ देखा जा रहा है।

वाहन बिक्रीः मारुति, ह्यूंडई व टाटा मोटर्स में गिरावट; दोपहिया वाहनों की बिक्री में उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी

मांग में नरमी के बीच प्रमुख कार विनिर्माता कंपनियों मारुति सुजुकी व ह्यूंडई की थोक बिक्री जुलाई में घट गई और कंपनियों ने खुदरा विक्रेताओं को वाहनों की आपूर्ति कम कर दी है। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा, पिछले माह उसकी घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री 9.64 फीसदी घटकर 1,37,463 इकाई रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में उसने 1,52,126 यात्री वाहन बेचे थे। मारुति की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी ह्यूंडई मोटर इंडिया की थोक बिक्री जुलाई में तीन फीसदी गिरकर 49,013 इकाई रह गई। इसी तरह, टाटा मोटर्स ने कहा, उसकी कुल घरेलू बिक्री 11 फीसदी घटकर 70,161 इकाई रही। जुलाई, 2023 में कंपनी ने 78,844 यात्री वाहन बेचे थे। वहीं बजाज ऑटो की बिक्री 18 फीसदी बढ़कर 2,10,997 इकाई पहुंच गई। पिछले साल जुलाई में कंपनी ने 1,79,263 दोपहिया वाहन बेचे थे। टीवीएस मोटर कंपनी की घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री आठ फीसदी बढ़कर 2,54,250 इकाई हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2,35,230 थी। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की बिक्री 41 फीसदी बढ़कर 4,39,118 इकाई।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

लखनऊ यूनिवर्सिटी में लगे 'आई लव यू श्रद्धा' के नारे

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर 'स्त्री', जो 2018 में आए थे, एक मोड़ पर रुक गए, जहां दर्शकों ने सीक्वल की जमकर मांग की। आखिरकार निर्माताओं को महिला 2 लाना पड़ा। फिल्म के टीज़र, पोस्टर और ट्रेलर ने लोगों के उत्साह को बढ़ाया है। हाल ही में फिल्म से रिलीज़ हुई, पवन सिंह के गीत खेटन मीन तू आई नाहि ने फिल्म के क्रेज को दोगुना कर दिया है। 'स्त्री-2' 15 अगस्त को थिएटर में रिलीज़ किया जाएगा। पूरे स्टार कास्ट फिल्म के प्रचार में लगे हुए हैं। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर पवन सिंह के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय पहुंचे। इस दौरान, छात्रों में बहुत उत्साह था। श्रद्धा के प्रशंसकों ने आई लव यू श्रद्धा के रूप में चिल्लाया। विश्वविद्यालय को उसके स्वागत के लिए पूरी तरह से व्यवस्थित किया गया था। फिल्म के स्टार कास्ट के लिए एक बड़ा मंच तैयार किया गया था। सितारों ने अपनी फिल्म के बारे में बताया और छात्रों की अपील पर भी संवाद भी बोले। इस दौरान, श्रद्धा ने फिल्म के एक गीत पर भी नृत्य किया। मीडिया से बात करते हुए, श्रद्धा कपूर ने कहा कि लखनऊ एक सुंदर शहर है। मैं यहां युवाओं की उत्तेजना को देखकर बहुत उत्साहित हूं। अभिनेत्री ने बताया कि जब वह अपनी फिल्म 'स्त्री' देख रही थी, तो वह काफी डर गई थी। उसने अपनी आंखें बंद कर ली थीं और स्क्रीन पर अपने चरित्र को भयभीत करते हुए भी देख रहे थे। ओटीटी पर काम करने के बारे में, उसने कहा कि जब भी उसके पास एक अच्छा प्रोजेक्ट ऑफ़र होता है, तो वह निश्चित रूप से अपनी शुरुआत करेगी। राजकुमार राव ने कहा, फिल्म में पहले एक 'स्त्री' की तुलना में अधिक कॉमेडी है। आपने इसे ट्रेलर में भी देखा होगा। ट्रेलर को देखने के बाद, लोगों की प्रतिक्रिया यह थी कि इसमें अधिक कॉमेडी है। फिल्म में।, आपको एक ही दुनिया, वही लोग, एक ही प्यार, ईमानदारी और सच्चाई देखने को मिलेंगे। रोमांचक। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव के साथ काम करने के बारे में, पवन सिंह ने कहा, मैं पहली बार श्रद्धा और राजकुमार राव से मिला, लेकिन मुझे यह महसूस नहीं हुआ, मुझे ऐसा लगता है कि मैं उन्हें लंबे समय से जानता हूं। उन्होंने गीत के बारे में कहा। माता रानी की, मैंने इस गीत को आधे घंटे में पूरा किया।

मैं मरा नहीं हूं...काम करता रहूंगा फ्लॉप फिल्मों पर बोले अक्षय

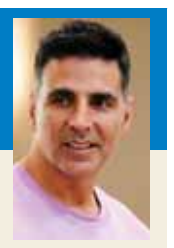

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म खेल खेल में को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. अक्षय की ये फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होने जा रही है. इससे पहले अक्षय ने फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर अपनी लगातार फ्लॉप होती फिल्मों पर बड़ी बात कही है. बता दें कि अक्षय कुमार की बड़े मिया छोटे मियां, सम्राट पृथ्वीराज, बच्चन पांडे, रक्षा बंधन जैसी फिल्में एक के बाद एक फ्लॉप हुई है। उनकी हालिया रिलीज सरफिरा भी डिजास्टर साबित हुई। ऐसे में उनसे ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर उनकी फ्लॉप फिल्मों पर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि, मरा नहीं हूं।।काम करता रहूंगा। आगे कहा कि, मैं सोच विचार नहीं करता। ऐसे ऐसे मैसेज आते है कि सॉरी यार। लेकिन फिक्र मत करना। अबे मरा नहीं हूं। एक जर्नलिस्ट ने लिख भी दिया चिंता मत करो तुम कमबैक करोगे। मैंने उसे फोन करके कहा कि भाई तू ये क्यों लिख रहा है। मैं गया नहीं हूं। मैं इधर ही हूं। काम करता रहूंगा। खेल खेल में में अक्षय कुमार के साथ कई सितारे देखने को मिलेंगे। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अक्षय से मीडिया ने कई तरह के सवाल किए। उनसे उनकी लगातार फ्लॉप होती फिल्मों पर भी सवाल किया गया। सुपरस्टार से पूछा गया कि, क्या कारण है कि आपकी फिल्में नहीं चल रही है, क्या ऑडियंस का टेस्ट बदल चुका है। इस पर अक्षय कुमार ने एक कहानी सुनाई। एक्टर ने कहा कि, एक किसान था। एक दिन उसकी गाय खो गई। गांव वाले उसके पास आए और कहा कि आपकी गाय खो गई। बहुत दुःख हुआ। किसान कहता है ठीक है। अगले दिन उसकी गाय मिल जाती है और साथ में तीन-चार गाय और आ जाती है। अक्षय कुमार ने आगे बताया कि किसान के पास सारे गांव वाले आते हैं और कहते हैं कि आपको तो चार गायें और मिल गई। किसान कहता है कि ठीक है। कुछ महीनों बाद उसका बेटा गाय के ऊपर बैठकर जा रहा था। वो गिर गया। उसके पैर में मोच आ गई। सारे गांव वाले किसान के पास फिर आए तब भी किसान ने कहा कि ठीक है। अक्षय कुमार ने आगे कहा कि, उसके अगले दिन गांव का जो राजा था उसने एक नियम बना दिया कि युद्ध चल रहा है उसके लिए गांव के सारे बच्चों को मिलिट्री ट्रेनिंग लेनी होगी। लेकिन किसान का बेटा जा नहीं पा रहा था क्योंकि उसके पैर में चोट लगी थी। गांव के सारे लोगों ने किसान से कहा कि सबके बच्चे जा रहे हैं तेरा बच्चा जा नहीं पा रहा है तो किसान ने कहा कि ठीक है। अक्षय ने आगे कहा कि, तो मैं ये कहना चाहता हूं कि जो होता है अच्छे के लिए होता है।

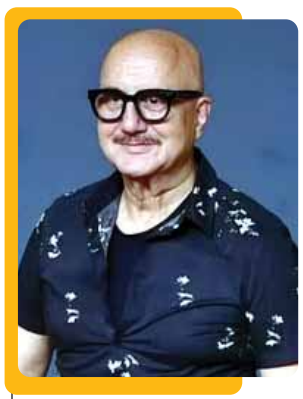

अनुपम खेर ने शुरू की 'द इंडिया हाउस' की शूटिंग, धोती पहनकर सेट पर पहुंचे

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म का नाम द इंडिया हाउस है। फिल्म निर्माताओं ने खास अंदाज में अनुपम खेर के सेट पर पहुंचने का एलान किया और उनकी भूमिका के बारे में भी जानकारी दी। फिल्म प्रोडक्शन कंपनी अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर अनुपम खेर के सेट पर आने की एक वीडियो साझा की गई। इस वीडियो में अनुपम खेर कार से उतरकर मेकअप लेने के लिए जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स ने लिखा कि भारतीय सिनेमा के कालजयी दिग्गज अनुपम खेर जी ने 'द इंडिया हाउस' की शूटिंग शुरू कर दी है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता इस ऐतिहासिक फिल्म में एक सशक्त और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस वीडियो में अनुपम खेर को धोती पहने हुए भी देखा जा सकता है। फिलहाल, उनका पूरा चेहरा नहीं दिखाया गया है, लेकिन सफेद बाल, चश्मा और धोती को देखकर उनके लुक का अंदाजा लगाया जा सकता है। बता दें कि द इंडिया हाउस एक पीरियड ड्रामा फिल्म है। द इंडिया हाउस का निर्देशन राम वामसी कृष्ण कर रहे हैं, जो इससे पहले भैरव गीता और जोहर बना चुके हैं। वहीं, अनुपम खेर के साथ अभिनेता निखिल भी फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स और राम चरण की कोनिडेला प्रोडक्शन कंपनी द्वारा मिलकर किया जा रहा है।

पूरी रात चला ऑपरेशन, एनडीआरएफ को भी बुलाया

चोपड़ाकलां में नाले में बहा पंद्रह साल का किशोर, एसडीआरएफ कर रही तलाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित चोपड़ाकलां गांव में शुक्रवार शाम खेत से निकले नाले में पंद्रह साल का किशोर बह गया। परिजन ने ग्रामीणों की मदद से नाले में उसकी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एसडीईआरएफ की टीम को बुलाया था। रात करीब 12 बजे तक नाले में एसडीईआरएफ की टीम ने सर्चिंग की, पर उसका कुछ पता नहीं चल सका। आज शनिवार सुबह एक बार फिर एसडीआरएफ की टीम उसकी तलाश करने नाले में पहुंची थी। सुबह 10 बजे तक किशोर का सुराग नहीं लग सका था। लगातार सर्चिंग के बाद भी किशोर के नहीं मिलने के कारण एसडीएम ने एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया है। थाना प्रभारी रामबाबू चौधरी ने बताया कि लीला किशन मीणा गांव चौपड़ा में रहते हैं। उनका पंद्रह साल का बेटा सागर मीणा शुक्रवार शाम गांव में नाले के पास खेल रहा था, तभी पानी के तेज बहाव में वह बह गया।

खेत के पानी का है नाला

पुलिस ने बताया कि नाला खेत के पास बना हुआ है। लगातार बारिश होने के कारण नाले का बहाव काफी तेज था। बारिश की रफ्तार थोड़ी कम होने से नाले का जलस्तर करीब पांच से सात फीट कम हो गया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम नाले में करीब दस से बारह फीट पानी था। पानी का बहाव काफी तेज होने से अनुमान है कि किशोर दूर तक बहकर चला गया।

जेवरात, बर्तन और नकदी समेत हजारों का माल चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिलखिरिया स्थित एक सूने मकान का ताला तोड़कर चोर जेवरात, बर्तन और नकदी समेत हजारों रुपए का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार अंकुश श्रीवास (24) ग्राम कोलुआ खुर्द थाना बिलखिरिया में रहता है और प्रायवेट काम करता है। उसके दो मकान हैं। एक मकान में अंकुश अपनी मां और भाई-भाभी के साथ रहता है, जबकि दूसरे मकान में उसकी बहन महिमा रहती है। बुधवार रात करीब दस बजे महिमा अपने घर में ताला लगाकर मां के घर आ गई थी। सुबह करीब पांच बजे घर लौटी तो ताला टूटा मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चेक करने पर बेड के अंदर रखे गगरा, कसेड़ी, कड़ाही, पीतल की थाली, कासे की थाली, एलईडी टीवी, मंगल सूत्र का पैंडिल, चांदी की पायल, एवं 16000 रुपए नकदी नहीं थी। रुपए वाला बैग घर के बाहर पड़ा मिला। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

युवक ने दुकानदार से शराब के लिए की मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

परवलिया सड़क थाना क्षेत्र में चाय नाश्ते की दुकान चलाने वाले एक दुकानदार के साथ युवक ने शराब के लिए अड़ीबाजी की और रुपए नहीं देने पर मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार जितेंद्र मीना (44) ग्राम शाहपुर थाना परवलिया में रहते हैं और भौंरी जोड़ के चाय नाश्ते की दुकान चलाते हैं। गुरुवार शाम करीब पांच बजे वह दुकान पर थे, तभी लियाकत नामक युवक पहुंचा और शराब के लिए पैसों की मांग करने लगा। जितेंद्र ने पैसे देने से मना किया तो उसने उनके साथ मारपीट कर दी। आसपास के लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव किया तो लियाकत धमकी देते हुए भाग निकला।

थप्पड़ का बदला युवक ने छात्र की हत्या से लिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अर्जुन नगर में गुरुवार रात छात्र ब्रजकांत पांडे (16) की हत्या करने वाले आरोपी सोनू बाथम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है पूछताछ में उसने बताया है कि सिर्फ एक चांटे का बदला लेने उसने छात्र को मौत के घाट उतार दिया। उसने गुरुवार दोपहर को हुए विवाद के बाद सोनू को चांटा मारा, इसके बाद पत्थर फेंककर मारा था।

सोनू ने पुलिस को बताया था कि क्षेत्र में उसका वर्चस्व है, ब्रजकांत की हरकत से उसकी बेइज्जती हो गई थी। तभी उसने ठान लिया था कि किसी भी हालत में वह ब्रजकांत को जिंदा नहीं छोड़ेगा। सही मौका देखते ही उसने सूजे से नाबालिग के सीने में वार कर दिया। उसे यकीन था कि सूजे के वार से ब्रजकांत बचेगा नहीं। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। इस मामले मं पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। टीआई मनोज पटवा ने बताया कि फिलहाल औजार की जब्ती नहीं की जा सकी है। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में भी सूजानुमा चीज से वार किए जाने की पुष्टि हुई है।डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने बताया, 'ब्रजकांत (16) और आरोपी सोनू बाथम (18) के बीच वर्चस्व को लेकर विवाद था। दोनों अर्जुन नगर बस्ती के फेस वन में रहते हैं। गुरुवार दोपहर उनके बीच झगड़ा हो गया। ब्रजकांत ने सोनू को पहले चांटा फिर पत्थर मार दिया था। मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया। बाद में सोनू अपने पिता के साथ शिकायत लेकर टीटीनगर थाने पहुंचा। पीछे से ब्रजकांत भी आ गया। यहां भी दोनों के बीच बहस हुई। पुलिस ने ब्रजकांत को हिरासत में लेकर पिता को कॉल किया। उन्हें थाने आने के लिए भी कहा। ब्रजकांत के पिता ने आने में असमर्थता जताई। उन्होंने यहां तक कह दिया कि चाहें तो बेटे को जेल भेज दो। अन्य रिश्तेदारों को भी कॉल किया, उन्होंने भी आने से इनकार कर दिया। बाद में ब्रजकांत को क्षेत्र में ही रहने वाले भूरा, सोनू और उसके पिता के सुपुर्द कर दिया। दोनों पक्षों को समझाइश भी दी। सबक सिखाने की नीयत की हत्या- बताया जाता है कि सोनू ने ब्रजकांत को सबक सिखाने का मन बना लिया। रात करीब 10-30 बजे ब्रजकांत घर के पास खड़ा था। इसी दौरान सोनू ने उस पर नुकीले हथियार से वार कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना के बाद दोनों पक्ष के लोग आमने-सामने हो गए। समझाइश देकर मामला शांत कराया। लहूलुहान हालत में घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

यूजीपीजी की खाली सीटों के लिए सीएलसी का एक और चरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब प्रदेश के 1323 कालेजों में यूजी व पीजी की करीब 10.39 लाख सीटों पर प्रवेश के लिए कालेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) का दूसरा चरण खत्म हो चुका है। अब तक यूजी व पीजी में 2.90 लाख सीटों पर प्रवेश हो चुके हैं। अब भी 6.70 लाख सीटें खाली हैं। ऐसे में उच्च शिक्षा विभाग ने सीएलसी का तृतीय चरण शुरू हुआ है। खाली सीटों को भरने के लिए विभाग ने एक और चरण चलाया जाएगा। यह चरण 10 अगस्त तक संचालित होगा। इस चरण में पांच अगस्त तक पंजीयन होंगे। इसके बाद सात अगस्त को मेरिट सूची जारी कर दी जाएगी और 10 अगस्त तक विद्यार्थी शुल्क जमा कर प्रवेश ले सकेंगे। वहीं सीएलसी द्वितीय चरण के तहत फीस जमा करने की अंतिम तारीख शनिवार तक है।इस साल पिछले साल के मुकाबले कम प्रवेश हुए हैं। उल्लेखनीय है कि यूजी व पीजी में कुल कालेजों की संख्या-1323 है जबकि कुल सीटों की संख्या-10.39 लाख और प्रवेश -3.69 लाख हैं।

भोपाल। चार इमली स्थित महाराणा प्रताप संस्कृति भवन में उड़ान एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा शुक्रवार से तीन दिवसीय सावन मेले का आयोजन हुआ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए और घरेलू हस्तशील उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्टॉल लगाए विभिन्न शहरों की महिलाएं हाथ से बनी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई और संस्कृत गीत संध्या का आयोजन भी हुआ इस मेले में 80 स्टाल लगाए गए हैं। **फोटो:** निर्मल व्यास

फंदा-बैरसिया ब्लॉक के सभी स्कूलों में रहा अवकाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी भोपाल में लगातार जारी बारिश को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी नरेन्द्र कुमार अहिरवार ने स्कूलों के अवकाश घोषित कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार, भोपाल जिले के बैरसिया और फंदा ब्लाक के सभी स्कूलों के अवकाश घोषित किए हैं। इसके साथ ही 182 सरकारी स्कूलों की सूची जारी की है। हालांकि शहरी क्षेत्रों के स्कूलों में कक्षाएं निर्धारित समय पर लगाई जाएंगी। हालांकि सभी स्कूलों में शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक स्टाफ को आना होगा। वहीं पूर्व से निर्धारित परीक्षाएं यथावत समय सारणी के अनुसार संचालित होंगी।

179 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाएं जारी, 2 लाख विद्यार्थी हो रहे शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) की बीटेक, बीफार्मा और बीआर्क, एमसीए प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। इन परीक्षाओं का आयोजन 31 अगस्त तक किया जाएगा। इन परीक्षाओं में लगभग 2 लाख विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा के लिए प्रदेश भर में 179 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी न हो इसके लिए विवि ने गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य किया है।

मेट्रो एंकर कीलनदेव टॉवर के पास की घटना, पीड़ित के दोस्त पर संदेह

सड़क पर दिनदहाड़े छुरा अड़ाकर पांच लाख रुपए की लूट की वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के हबीबगंज थाना क्षेत्र के कीलनदेव टॉवर चौराहे के पास कल स्कूटर सवार मार्बल कारोबारी के बेटे 18 वर्षीय अहमद रजा को दो नकाबपोश बदमाशों ने चाकू अड़ाया और स्कूटर की डिग्गी में रखे 5.25 लाख रुपये लूट लिए। घटना के समय वह बैंक से रुपये निकलकर घर जा रहा था।

इस लूट की जानकारी लगते ही एमपीनगर और हबीबगंज थाना पुलिस के साथ आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटना के बाद आसपास के इलाके में नाकाबंदी कर दी, लेकिन आरोपितों का कोई सुराग नहीं मिल पाया। हालांकि एक संदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जो घटना से कुछ देर पहले कारोबारी के बेटे के साथ था। कारोबारी ने उसके लूट में शामिल होने का संदेह जाहिर किया है। इधर, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में जांच जारी है। जल्द ही घटना का खुलासा करेंगे। हबीबगंज थाना प्रभारी अजय सोनी ने बताया कि मालवीय नगर निवासी अब्दुल सत्तार मार्बल कारोबारी हैं। उनकी लालघाटी कोहेफिजा, जिंसी जहांगीराबाद समेत शहर में अन्य जगहों पर मार्बल की दुकानें हैं। उनका रियल स्टेट का भी काम है। बेटा अहमद रजा ने 12वीं पास की है। रजा ने बताया कि पिता ने सुबह 5.25 लाख रुपये का चेक काटकर एमपी नगर की एक निजी बैंक में उसे कैश कराने के लिए कहा था। वह दोस्त के साथ बैंक गया था। उसके पास आधार कार्ड था, मेरे पास नहीं था। इस कारण उसने बैंक से रुपये निकालकर मुझे दे दिया। मैंने रुपये स्कूटर की डिग्गी में रख लिया और दोस्त वहां से चला गया। कुछ देर बाद जब मैं कीलनदेव टावर चौराहे के पास पहुंचा तो दो बदमाशों ने पीछे से बाइक को धक्का देकर मुझे गिरा दिया और छुरा निकालकर मुझ पर अड़ा दिया। मुझे छुरे के बट से मारा और डिग्गी की चाबी छीनकर मुझसे 5.25 लाख रुपये लूटकर फरार हो गए। आसपास के लोगों ने घटना देखी और डायल 100 को सूचना दी। पहले एमपीनगर पुलिस पहुंची, बाद में हबीबगंज पुलिस भी आ गई। आरोपित चेहरे पर नकाब पहने थे।

व्यापारी अबदुल सत्तार ने बेटे के दोस्त पर संदेह जताते हुए कहा कि वह हमेशा उसके साथ ही रहता है। कुछ दिनों से बेटा उसके लिए 50 हजार रुपये उधार मांग रहा था। मैंने कहा था कि दे देना। संभवतः उसी ने वारदात को अंजाम दिलवाया है।

राजभाषा हिंदी जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की संवाहक: प्रो. आरके दीक्षित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति क्र1 की वर्ष-2024 की प्रथम अर्धवार्षिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों ने भाग लिया। इस बैठक में विगत छःमाह में की गई राजभाषा गतिविधियों पर चर्चा हुई एवं राजभाषा के प्रगामी प्रयोग हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये। निटर भोपाल के प्रभारी निदेशक प्रो. आर के दीक्षित ने कहा राजभाषा हिंदी जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की संवाहक है। हिंदी दिलों की भाषा है। निटर भोपाल राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में सतत प्रयत्नशील है तथा राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के दायित्व का बखूबी निर्वहन कर रहा है। बैठक में कर्नल आशीष अग्रवाल, प्रशांत पाठरावे, आशीष पोटनीस, प्रो. सविता दीक्षित, भारत भूषण देशमुख, सहित भोपाल के लगभग 52 नराकास के सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन सचिव संजय त्रिपाठी व शोभा लेखवानी ने किया।

राजभाषा हिंदी में कार्य करना हम सभी के लिए गौरव: प्रो. सी.सी. त्रिपाठी: निटर भोपाल के निदेशक एवं नराकास के अध्यक्ष प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने इस बैठक के लिए भेजे अपने सन्देश में कहा कि राजभाषा हिंदी में कार्य करना हम सभी के लिए सम्मान एवं गौरव की बात है। इस वर्ष हम सब 14 सितम्बर 2024 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किये हुए 75 वर्ष पूर्ण होने पर हीरक जयंती मना रहे है।

हिंदी एक स्वतंत्र और सक्षम भाषा है: प्रो पी.के पुरोहित: निटर भोपाल के डीन प्रो पी.के पुरोहित ने कहा कि हिंदी एक स्वतंत्र और सक्षम भाषा है और आज आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी को अधिक से अधिक प्रौद्योगिकी से जोड़ा जाए। निटर भोपाल वर्ष भर हिंदी कार्यशालाएं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है आप सभी से निवेदन है की उसमे अधिक से अधिक प्रतिभागिता सुनिश्चित करें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022